CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-250
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 15 दिसम्बर 2024

आज का विचार

छ कर सकने में सफलता आती है और कुछ ना कर सकने में असफलता आती है।

लोकसभा में पीएम मोदी ने गांधी परिवार पर साधा निशाना, बोले-कुविचार, कुरीति, कुनीति इनकी परंपरा

'कांग्रेस संविधान का शिकार करने वाली पार्टी'

नई दिल्ली। लोकसभा में शनिवार को पीएम मोदी ने संविधान के 75 वर्ष के गौरवशाली यात्रा पर बहस में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस और गांधी परिवार पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन के दौरान पीएम ने कांग्रेस के साथ-साथ गांधी परिवार पर निशाना साधा। पीएम ने संविधान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस को संविधान का शिकार करने वाली पार्टी बताया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा- कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। देश के लंबे इतिहास में एक ही परिवार ने राज किया है। इस परिवार के कुविचार, कुरीति, कुनीति, इसकी परंपरा निरंतर चल रही है। हर स्तर पर इस परिवार ने संविधान को चुनौती दी है। पीएम ने 1 घंटे 49 मिनट के संबोधन में कहा कि संविधान संशोधन करने का ऐसा खून कांग्रेस के मुंह लग गया कि वे समय-समय पर संविधान का शिकार करती रही। उन्होंने कहा- नेहरू जी ने उस दौरान एक चिट्ठी लिखी थी। अगर संविधान हमारे रास्ते में आ जाए तो हर हाल में संविधान में परिवर्तन करना चाहिए। जब देश में संविधान नहीं था। तब राजेंद्र प्रसाद जी ने चेताया था कि यह गलत कर रहे हो। तब हमारे स्पीकर ने भी इसे गलत बताया था। आचार्य कृपलानी, जयप्रकाश नारायण जैसी बड़ी शख्सियतों ने भी इसे गलत करार दिया। लेकिन नेहरू जी का अलग संविधान चलता था। इसलिए उन्होंने इतने वरिष्ठ महानुभावों की सलाह नहीं मानी और उनकी राय को दरकिनार कर दिया।

छह दशक में 75 बार संविधान को बदला पीएम मोदी आगे कहा कि, संविधान संशोधन का ऐसा खून कांग्रेस के मुंह लग गया कि वो समय-समय पर इसका शिकार करती रही। छह दशक में करीब 75 बार संविधान को बदला गया। देश के पहले प्रधानमंत्री के बाद एक पाप इंदिरा गांधी ने किया। उन्होंने 1975 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटा था। अदालतों से उनका अधिकार छीन लिया गया था। कोई रोकने वाला था नहीं। इसलिए जब इंदिरा जी के चुनाव को अदालत ने खारिज कर दिया और उनको सांसद पद छोड़ने की नौबत आई, तो उन्होंने गुस्से में देश पर इमरजेंसी थोप दी। अपनी कुर्सी बचाने के लिए और उसके बाद 1975 में 39वां संशोधन किया और उसमें उन्होंने क्या किया- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, अध्यक्ष इनके चुनाव के खिलाफ कोई कोर्ट में जा ही नहीं सकता, ऐसा नियम बनाया और इसे पीछे के लिए भी लागू कर दिया।

संविधान के साथ खिलवाड़ करने का खून लग चुका था मुंह पर पीएम ने कहा- यह परंपरा यही पर नहीं रुकी, नेहरू ने जो शुरू किया था, जिसे इंदिरा गांधी ने आगे बढ़ाया, इसी वजह से राजीव गांधी की सरकार उस वृद्ध महिला से हक छीन लिया था जिसे कोर्ट ने हक दिया था। शाहबानो की भावना, कोर्ट की भावना को राजीव गांधी ने नकार दिया था, उन्होंने संविधान को कुचल दिया था। उन्होंने न्याय के लिए एक बूढ़ी महिला का साथ नहीं दिया बल्कि कट्टरपंथियों के साथ चले गए, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। लेकिन बात यहां पर नहीं रुकी। संविधान के साथ खिलवाड़ करने का लहू उनके मुंह पर लग चुका था।

संविधान का अपमान करने वाले लोग पीएम मोदी ने आगे कहा- इतना ही नहीं और एक पीढ़ी आगे चलें तो उस पीढ़ी ने भारत के संविधान के तहत देश की जनता जनार्दन देश की सरकार चुनती है। उस सरकार का मुखिया कैबिनेट बनाता है। इस कैबिनेट ने जो निर्णय किया। संविधान का अपमान करने वाले अहंकार से भरे लोगों ने पत्रकारों और कैमरों के सामने कैबिनेट के उस फैसले को फाड़ दिया। संविधान के साथ खिलवाड़ करना, उसे न मानना, ये उनकी आदत हो गई थी। और दुर्भाग्य देखिए- एक अहंकारी व्यक्ति कैबिनेट के फैसले को फाड़ दे और कैबिनेट अपना फैसला बदल दे। ये कौन सी व्यवस्था है।

पीएम मोदी ने संसद में रखे 11 संकल्प

प्रधानमंत्री ने शनिवार को सदन में अपने संबोधन के दौरान 11 संकल्प सामने रखे। उन्होंने कहा, आज मैं इस सदन के पवित्र मंच से 11 संकल्प सदन के सामने रखना चाहता हूं। ये संकल्प इस प्रकार से हैं...

-चाहे नागरिक हो या सरकार हो... सभी अपने कर्तव्यों का पालन करें।

-हर क्षेत्र, हर समाज को विकास का लाभ मिले, सबका साथ-सबका विकास हो।

-भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस हो, भ्रष्टाचारी की सामाजिक स्वीकार्यता न हो।

-देश के कानून, देश के नियम... देश की परंपराओं के पालन में देश के नागरिकों को गर्व होना चाहिए, गर्व का भाव हो।

-गुलामी की मानसिकता से मुक्ति हो, देश की विरासत पर गर्व हो।

- देश की राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति मिले।

-संविधान का सम्मान हो, राजनीति स्वार्थ के लिए संविधान को हथियार न बनाया जाए।

-संविधान की भावना के प्रति समर्पण रखते हुए जिनको आरक्षण मिल रहा है उसको न छीना जाए और धर्म के आधार पर आरक्षण की हर कोशिश पर रोक लगे।

- महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मामले में भारत दुनिया के लिए मिसाल बने।

- राज्य के विकास से राष्ट्र का विकास... ये हमारा विकास का मंत्र हो।

-एक भारत, श्रेष्ठ भारत का ध्येय सर्वोपरि हो।

संभल में 46 साल बाद खुला प्राचीन शिव मंदिर

1978 के दंगे के बाद हिंदुओं ने छोड़ दिया था इलाका

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक प्राचीन मंदिर को फिर से खोला गया है, जो 1978 के बाद पहली बार खुला है। नगर हिंदू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी ने दावा किया कि यह मंदिर अब फिर से आम लोगों के दर्शन के लिए खोला गया है। संभल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्रा ने बताया, चेकिंग के दौरान यह पाया गया कि कुछ लोगों ने मंदिर की भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कर लिया था। मंदिर को स्वच्छ किया गया है और जो लोग मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण कर रहे थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में भगवान शिव और भगवान हनुमान की मूर्तियां स्थापित हैं। संभल के क्षेत्रीय अधिकारी अनुज कुमार चौधरी ने बताया, हमें जानकारी मिली थी कि क्षेत्र में एक मंदिर पर अतिक्रमण किया जा रहा है। जब हमने स्थल का निरीक्षण किया, तो वहां मंदिर पाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पास एक प्राचीन बावड़ी (कुआं) होने की जानकारी प्राप्त हुई है।यह घटना क्षेत्र में धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा को लेकर चर्चा का विषय बन गई है।

मंदिर के अंदर हनुमान जी की प्रतिमा और शिवलिंग नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला दीपा सराय से सटे खग्गू सराय में 46 साल से बंद पड़े एक पुराने शिव मंदिर को डीएम एसपी ने खुलवाया। मंदिर काफी जर्जर हालत में था और मुस्लिम आबादी में होने के कारण उस पर कब्जा कर लिया गया था। दरवाजा खोलने पर मंदिर के अंदर हनुमान जी की प्रतिमा और शिवलिंग स्थापित पाया गया। एएसपी और सीओ ने मंदिर में प्रतिमाओं की सफाई की। मंदिर को पुराने स्वरूप में लौटने का प्रयास किया जा रहा है।

कई हिंदू घरों में आग लगा दी गई थी नगर हिंदू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी ने बताया कि पहले यहां हिंदू आबादी थी, लेकिन 1978 के सांप्रदायिक दंगे के दौरान कई हिंदू घरों में आग लगा दी गई थी। डर के कारण हिंदू परिवारों ने यहां से पलायन किया और हिंदू आबादी वाले इलाकों में बस गए। रस्तोगी ने यह भी बताया कि पहले इस मंदिर में भजन-कीर्तन होते थे, और मंदिर के पास एक कुआं भी था, जिसे अकील अहमद ने पाट दिया था। मंदिर मुस्लिम आबादी में स्थित होने के कारण उस पर कब्जा कर लिया गया और मकान में बदल दिया गया था।

मंदिर को पुराने स्वरूप में लौटाएगा प्रशासन जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने मंदिर के बारे में पूरी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मंदिर को पुनः पुराने स्वरूप में लौटाया जाएगा। साथ ही नगर पालिका की टीम को बुलाकर मंदिर पर हुए अवैध कब्जे को हटाने और कुएं को खुलवाने का आदेश दिया। एएसपी शिरीष चंद्रा और सीओ अनुज चौधरी ने मंदिर की साफ-सफाई की। डीएम और एसपी की मौजूदगी में प्रशासन ने इस इलाके में स्थिति का जायजा लिया और मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया।

नूंह में फिर मचा बवाल, युवती को जिंदा जलाने का आरोप

हत्या के आरोपियों की गिरफ्तार नहीं होने के मामले में तनाव के बाद पुलिस तैनात

नई दिल्ली। हत्या के मामले में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने व फरार आरोपियों को गांव में बसाने के विरोध में लहरवाडी गांव में दो पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ। इसी संघर्ष में एक युवती की आग लगने से मौत हो गई। पीड़ित पक्ष ने युवती की मौत को लेकर आरोपी पक्ष पर जिंदा जलाने का आरोप लगाया है। वहीं, दूसरा पक्ष युवती के आत्मदाह की बात कह रहा है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। गांव में शांति बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। लहरवाड़ी गांव में आठ माह पहले मिट्टी डालने के विवाद में रिजवान नाम के युवक की हत्या हुई थी। मामले में 35 आरोपियों के खिलाफ पुन्हाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद से आरोपी पक्ष के लोग गांव से फरार हो गए जिनकी गिरफ्तारी के लिए पीड़ित परिवार बार बार मांग कर रहा था। पुलिस ने दो आरोपियों को कुछ दिनों बाद गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पीड़ित परिवार लगातार पुलिस से मांग कर रहा था। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और पथराव भी हुआ। इसी संघर्ष में एक युवती की आग लगने से मौत हो गई।

जोमेटो को सरकार ने भेजा 803 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो पर सरकार ने 803.4 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का आरोप लगाया है। इसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। जोमैटो को इस संबंध में जीएसटी विभाग से नोटिस मिला है। कंपनी ने बताया कि यह नोटिस डिलीवरी शुल्क पर जीएसटी, ब्याज और जुर्माने के भुगतान से संबंधित है। कंपनी अब इस मामले में आवश्यक कदम उठाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने कहा कि वह उचित प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करेगी क्योंकि उसका मानना है कि उसका मामला मजबूत है। जोमैटो ने कहा, कंपनी को 12 दिसंबर, 2024 को एक आदेश प्राप्त हुआ हैङ्क 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के लिए सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, ठाणे आयुक्तालय, महाराष्ट्र के संयुक्त आयुक्त द्वारा पारित है। इसमें लागू ब्याज के साथ 401,70,14,706 रुपए के जीएसटी की मांग और 401,70,14,706 रुपए के जुमार्ने की पुष्टि की गई है। कंपनी ने कहा, हमारा मानना है कि हमारे पास मजबूत मामला है, जो हमारे बाहरी कानूनी और कर सलाहकारों की राय से समर्थित है। कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी।

समय पर भुगतान नहीं करने पर की जाती है कार्रवाई कंपनियों को हर सर्विस और प्रोडक्ट पर टैक्स चुकाना होता है, जिसे जीएसटी कहते हैं। कभी-कभार कुछ कंपनियां इस जीएसटी का समय पर भुगतान नहीं करती हैं। तब जीएसटी अथॉरिटी उस पर जुर्माना और ब्याज दोनों लगाता है। जुमार्ना भुगतान न करने पर लगता है और ब्याज जीएसटी की राशि पर लगाया जाता है। ऐसा ही जोमैटो के साथ हुआ और कुल मिलाकर 803 करोड़ रुपए का नोटिस भेजा गया है।

नए साल में मारुति के वाहनों में हो सकता है चार फीसदी तक का इजाफा

इनपुट कॉस्ट और ऑपरेशनल एक्सपेंस के बढ़ने की वजह से की जा रही कीमतों में बढ़ोतरी

80 हजार रुपए तक बढ़ सकते हैं मारुति की गाड़ियों के दाम, बाइक के दाम भी बढ़ेंगे

नई दिल्ली। नए साल यानी 2025 में कई ऑटोमेकर्स नए साल में अपनी कार और बाइक्स के दाम में इजाफा करने वाले हैं। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी में से एक मारुति सुजुकी ने भी अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। मारुति कंपनी की ओर से बताया गया कि जनवरी 2025 से कार की कीमतों में चार फीसदी तक इजाफा हो सकता है। मारुति की कारों की कीमत में बढ़ोतरी कार मॉडल्स के मुताबिक अलग-अलग हो सकती है। मारुति सुजुकी की तरफ से बताया गया है कि इनपुट कॉस्ट और ऑपरेशनल एक्सपेंस के बढ़ने की वजह से कीमत में इजाफा किया जा रहा है। कंपनी की ओर से ये भी कहा गया कि हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि किसी भी तरह से गाड़ियों की कीमत को कम से कम रखा जाए, जिससे कस्टमर्स पर कीमत का प्रभाव कम पड़े। मारुति ने ये भी कहा कि इन बढ़ी हुई कीमतों का कुछ असर मार्केट पर भी पड़ सकता है।

ऑल्टो के-10 के दाम में हो सकता है 16 हजार तक का इजाफा मारुति सुजुकी की सबसे सस्ती कार ऑल्टो के-10 है। इस गाड़ी की एक्स-शोरूम प्राइस 3.99 लाख रुपए से शुरू है। अगर इस कार की कीमत में 4 फीसदी की बढ़ोतरी होती है तो ऑल्टो की बेस प्राइस में करीब 16 हजार रुपए का इजाफा देखने को मिल सकता है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 5.96 लाख रुपए है। जनवरी में कारों की कीमत में बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 6.20 लाख रुपए के करीब हो सकती है।

ग्रांड विटारा की नई कीमत मारुति ग्रैंड विटारा इस ब्रांड की सबसे महंगी कार है। ग्रैंड विटारा की एक्स-शोरूम प्राइस 10.99 लाख रुपए से शुरू होकर 20.09 लाख रुपए तक जाती है। अगर इस कार की कीमत में भी चार फीसदी का इजाफा किया जाता है तो इसके बेस मॉडल की कीमत करीब 44 हजार रुपए तक बढ़ सकती है। वहीं इस कार के टॉप वेरिएंट की कीमत में 80 हजार रुपए तक का इजाफा देखने को मिल सकता है।

33,500 रुपए तक बढ़ सकती है मारुति फ्रोंक्स की कीमत मारुति फ्रोंक्स भारतीय बाजार की एक पॉपुलर कार है। मारुति की इस कार की एक्स-शोरूम प्राइस 8,37,500 रुपए से शुरू होती है। अगर इस कार के दाम में चार फीसदी की बढ़ोतरी होती है तो गाड़ी के बेस वेरिएंट की कीमत 33,500 रुपए तक बढ़ सकती है। फ्रोंक्स के टॉप मॉडल की कीमत 14.92 लाख रुपए है। जनवरी में इस वेरिएंट की कीमत में करीब 60 हजार रुपए तक का इजाफा देखने को मिल सकता है। मारुति फ्रोंक्स की कीमत में चार फीसदी का इजाफा होने के बाद इस कार की प्राइस रेंज 8.71 लाख रुपए से 15.52 लाख रुपए के बीच आ सकती है।

5.76 लाख रुपए तक पहुंच सकती वैगन आर मारुति वैगनआर की भारतीय बाजार में खूब डिमांड है। इस कार की एक्स-शोरूम प्राइस 5.54 लाख रुपए से शुरू होकर 7.33 लाख रुपए तक जाती है। अगर कार की कीमत में चार फीसदी की बढ़ोतरी होती है तो इसके बेस मॉडल की कीमत बढ़कर 5.76 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

दिल्ली से जेद्दाह जा रही इंडिगो फ्लाइट की कराची में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। नई दिल्ली से सऊदी अरब के जेद्दाह जा रही इंडिगो फ्लाइट की पाकिस्तान के करांची में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। ये इमरजेंसी लैंडिंग एक यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण करवानी पड़ी। इंडिगो फ्लाइट जब पाकिस्तान के ऊपर से उड़ान भर रही थी तब 55 वर्षीय भारतीय नागरिक यात्री की हालत गंभीर हो गई, जिसके बाद पायलट ने आवश्यक मेडिकल हेल्प के लिए कराची हवाई अड्डे से मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। मंजूरी मिलने के बाद, विमान कराची में उतरा, जहाँ एक मेडिकल टीम बीमार व्यक्ति की जांच के लिए मेडिकल टीम विमान पर आई। हालांकि मेडिकल इमरजेंसी के समाधान के बाद, जेद्दा में अपने मूल गंतव्य जेद्दाह पर जाने के बजाय उड़ान को नई दिल्ली वापस करने का निर्णय लिया गया।

स्वच्छता रैंकिंग के लिए कभी भी आ सकती है सर्वे टीम

20 से ज्यादा नालों की गाद निकाली, दिखने लगी सफाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। बीते चार माह में की मेहनत के बाद शहर में सफाई व्यवस्था फिर से दिखने लगी है। इस माह कभी भी स्वच्छता रैंकिंग के लिए सर्वे टीम आ सकती है। उससे पहले शहर की सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रहने लगी है। प्रमुख मार्ग,गली मोहल्ले तो साफ रहने लगे हैं, अब शहर के नालों को भी सुखाकर मैदान में तब्दील किया जा रहा है, ताकि कही भी गंदगी सर्वे करने वाली टीम को न दिखे।

शहर के 20 से ज्यादा छोटे-बड़े नालों से गाद निकाल दी गई है और नाले के एक तरफ ट्रेंच बनाकर नाले के बाकी हिस्से को सूखा दिया गया। स्वच्छता रैंकिंग में नालों की सफाई के भी नंबर है। इंदौर के नालों के आसपास से सैकड़ों टन गाद निकाल कर उन्हें साफ किया गया है। पंचकुईया नाले के आसपास सफाई अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। यहां रिटेनिंग वॉल बनाई जा रही है और घाटों को भी साफ किया जा रहा है। शनिवार को खुद निगमायुक्त शिवम वर्मा पंचकुईया घाट पहुंचे और नाला सफाई के काम को देखा। उन्होंने कहा कि घाट और उसके आसपास के पुराने मंदिरों को संवारा जाएगा। विनोबा नगर, पलासिया, सुखलिया नाले को भी नगर निगम सुखा चुका है। पिछले साल भी नगर निगम ने इस तरह की कवायद की थी और नाले में अफसरों ने क्रिकेट भी खेला था।

चार माह की मेहनत से व्यवस्था हुई मजबूत

इस बार सफाई में सूरत और नवी मुबंई भी काफी मेहनत कर रहे है। सूरत ने पिछले साल इंदौर के साथ संयुक्त रुप से नंबर वन की रैंकिंग साझा की थी। इस बार भी सूरत टक्कर दे रहा है, लेकिन इंदौर ने भी बीते चार माह से इंदौर की सफाई व्यवस्था फिर मजबूत हो गई।

तेज रफ्तार बाइक सवार मिट्टी के ढेर से टकराकर घायल

खजराना थाना क्षेत्र में हादसा

सिटी चीफ इंदौर।

खजराना थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सवार एक युवक सड़क किनारे पड़ी मिट्टी के ढेर से टकराकर घायल हो गया।

युवक का नाम कृष्णा कुमार वर्मा (30) निवासी सोमनाथ की जूनी चाल है। हादसे के बाद कृष्णा को सिर, कंधे और पैर में गंभीर चोटें आईं। उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

युवक के छोटे भाई कुणाल वर्मा ने बताया कि कृष्णा उनके बड़े पिता का बेटा है और साथ ही रहता है। वह पेंटिंग का काम करता है और तुलसी नगर में उसकी साइट चल रही थी। घटना के दिन वह तुलसी नगर से काम खत्म करके घर लौट रहा था। हादसे के समय कृष्णा के पीछे उसके कुछ परिचित भी मौजूद थे। उन्होंने तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया। घटना का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में साफ दिखा कि कृष्णा तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहा था। उसने पहले एक कार को ओवरटेक किया और फिर दूसरी कार को ओवरटेक करने की कोशिश में बाइक का संतुलन खो दिया। इसके बाद बाइक मिट्टी के ढेर से टकराकर पलट गई।

मोबाइल फोन और पर्स गायब

घटना के बाद एक और समस्या सामने आई, जब कृष्णा का मोबाइल फोन और पर्स गायब पाया गया। कुणाल ने बताया कि उन्होंने मोबाइल और पर्स के बारे में खोजबीन की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। मोबाइल फोन बंद आ रहा है, और इस मामले की जानकारी वे पुलिस को देंगे ताकि लापता सामान मिल सके। खजराना पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बाइक की तेज रफ्तार हादसे का मुख्य कारण हो सकती है। वहीं, कृष्णा के पर्स और मोबाइल के गायब होने को लेकर भी जांच की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

गिरफ्तारी के बाद बढ़ाई गई धाराएं ही बनी जमानत का आधार

सुमित्रा महाजन के पोते को पीटने वाले आरोपियों को मिली जमानत

सिटी चीफ इंदौर।

पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के बेटे मिलिंद महाजन के शोरूम पर तोड़फोड़ करने, उनके पोते सिद्धार्थ से मारपीट करने के आरोपियों को जमानत मिल गई।

दर्जा प्राप्त कैबिनेट मंत्री प्रताप करोसिया के भतीजे समेत 5 आरोपियों को 10 हजार के मुचलके पर जमानत दी गई। आरोपियों के वकील आमिर खोकर ने बताया कि शनिवार को सभी रेगुलर कोर्ट में पेश हुए। यहीं से उन्हें जमानत मिली। जमानत का आधार गिरफ्तारी के बाद बढ़ाई गई धाराएं बनी हैं। हमने कोर्ट को बताया कि एफआईआर के बाद राजनीतिक प्रभाव के बाद धाराएं बढ़ाई गई हैं। इस मामले को लेकर सुमित्रा महाजन के समर्थकों ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा था। कुछ समर्थक सीएम से भी मुलाकात करने वाले थे। सूत्रों की मानें, तो सीएम की ओर से अभी उन्हें समय नहीं मिल पाया है।

यह था मामला

नेमावर रोड पर पूर्व लोकसभा स्पीकर के बेटे मिलिंद महाजन का मिड्वेस ऑटोमोबाइल शोरूम है। यहां पर सर्विस सेंटर भी है। बीजेपी नेता प्रताप करोसिया के भतीजे सौरभ करोसिया ने अपनी गाड़ी सर्विस के लिए दी थी। शुक्रवार, 6 दिसंबर की शाम को इसे लेने के लिए आया। मैनेजर भूषण दीक्षित से बिना राशि दिए ही गाड़ी ले जाने की जिद करने लगा। मैनेजर ने रोका तो गालियां दी और कहा कि किसके बाप में हिम्मत है, जो रोक ले। सौरभ के साथ सात-आठ अन्य लोग भी थे। मैनेजर भूषण के मना करने पर उसे जमकर पीटा और पत्थर उठाकर शोरूम में बने चैंबर पर दे मारे, कुर्सियां फेंक दी। सुमित्रा महाजन के पोते सिदार्थ महाजन के साथ भी हाथापाई की गई। इसके बाद सभी गाड़ी लेकर निकलने लगे। गार्ड गणेश दुबे ने रोकने की कोशिश की, तो उस पर गाड़ी चढ़ाने लगे। आरोप लगाया गया कि मैनेजर एफआईआर के लिए पहुंचे, तो टीआई नीरज मेढा ने टालमटोल की। बात उच्च स्तर पर पहुंची तब जाकर सौरभ पर केस दर्ज किया गया।

पुलिस कंट्रोल रूम में महिला ने खुद को आग लगाने की कोशिश की, जहर खाया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक महिला ने पुलिस कंट्रोल रूम में जहरीला पदार्थ खाकर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से उसे ऐसा करने से रोक लिया गया और तुरंत इलाज के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति सामान्य बताई गई है। महिला प्रिया जायसवाल ने बताया कि वह अपने पति की प्रताड़ना से परेशान है। उसके पति का किसी अन्य महिला के साथ संबंध है जिसके कारण वह मुझे छोड़ने का दबाव बना रहा है। महिला ने कई बार शिकायतें दर्ज कराई लेकिन कार्रवाई न होने के कारण उसने यह कदम उठाया। छोटी ग्वालटोली थाने के एसआई विजय ने बताया कि प्रिया जायसवाल (35) अपने पति गोलू के साथ हीरानगर में रहती है। उसने कहा है कि उसके मामले में सुनवाई नहीं हो रही है। इसी बात को लेकर वह रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची थी। यहां पर उसने पहले जहरीला पदार्थ खाया और फिर आग लगाने का प्रयास

किया। पुलिस कंट्रोल रूम होने की वजह से वहां पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी थे जिनकी नजर तुरंत उस पर पड़ गई। उन्होंने महिला को आग लगाने से रोक लिया और फिर एमवाय अस्पताल भेज दिया। महिला की हालत अभी सामान्य है। पुलिस जांच कर रही है। उसने पति पर आरोप लगाए हैं, सभी के बयानों के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। छोटी ग्वालटोली थाने के एसआई विजय के मुताबिक हीरानगर में रहने वाली प्रिया जायसवाल (35) अपने पति गोलू के मामले में सुनवाई नहीं होने को लेकर रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची थी। यहां पर उसने पहले जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद उसने आग लगाने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने महिला को आग लगाने से रोक लिया। एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां उसकी हालत सामान्य है।

17 महीने से अलग रह रहे पति-पत्नी ने समझाइश के बाद हुए एक

इंदौर लोक अदालत में 60 हजार मामलों का समाधान, छूट की घोषणा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत ने 82 खंडपीठों के माध्यम से 60 हजार से अधिक मामलों में सुनवाई की। इस दौरान कई मामलों का समाधान हुआ, जिनमें से एक महत्वपूर्ण मामला 17 महीने से अलग रह रहे पति-पत्नी का था, जिन्होंने लोक अदालत में समझाइश के बाद फिर से एक साथ रहने का निर्णय लिया।

जानकारी के मुताबिक विनय कुमार (26) और मंजू (22) का विवाह पिछले साल 25 मई को हुआ था और उनका एक 18 महीने का बेटा भी है। विवाह के कुछ समय बाद, पत्नी सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताने लगी, जिसके कारण घर के कामों में परेशानी उत्पन्न होने लगी। इसके परिणामस्वरूप छोटी-छोटी बातों पर दोनों के बीच विवाद होने लगे, और महिला के मायके वाले भी उसका समर्थन करने लगे। इसके बाद महिला ने पति पर हिंदू मैरिज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दिया था और वे अलग रहने लगे।

दोनों को हुआ अपनी गलतियों का अहसास

इस मामले को लोक अदालत में रखा गया, जहां दोनों पक्षों की काउंसलिंग की गई और न्यायाधीश राकेश कुमार जैन ने नवजात बच्चे के भविष्य को देखते हुए दोनों को एक साथ रहने की सलाह दी। इस समझाइश के बाद, दोनों ने अपनी गलतियों का अहसास किया और एक साथ रहने के लिए राजी हो गए। इस प्रकार, लोक अदालत ने मामले को सुलझा लिया। लोक अदालत के दौरान, इंदौर नगर निगम ने संपत्ति कर और जल कर से संबंधित मामलों में भी विशेष छूट का ऐलान किया। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि जलकर के उन मामलों में जिनमें 10 हजार तक बकाया है, 100% छूट दी गई। वहीं, 10 हजार से अधिक और 50 हजार तक बकाए वालों को 75% की छूट, और 50 हजार से अधिक बकाए वालों को 50न छूट दी गई। संपत्ति कर के मामलों में भी छूट दी गई। इनमें 50 हजार तक बकाए वाले मामलों में 100% छूट, 50 हजार से 1 लाख तक के मामलों में 50% छूट और 1 लाख से अधिक बकाए वालों को 25% छूट दी गई।

इस प्रकार, लोक अदालत ने सिर्फ व्यक्तिगत मामलों का समाधान नहीं किया, बल्कि नगर निगम से संबंधित वित्तीय मामलों में भी व्यापारियों और नागरिकों को राहत देने का काम किया।

देवास में दो बाइकों की जोरदार टक्कर ,हादसे में दंपति की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले में भीषण हादसा हुआ है और यहां पर दो बाइक आमने-सामने से टकरा गईं. हादसे में बाइक सवार दंपति की मौत हो गई, एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अभी इस पूरे मामले की जांच कर रही है। यह घटना इंदौर रोड स्थित फ्लाईओवर पर हुई है।

बताया जा रहा है कि बाइक पर दंपत्ति शहजाद और उनकी पत्नी इंदौर से किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस दौरान रामनगर और विकास नगर के बीच बने फ्लाईओवर पर उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। इस हादसे में शहजाद गंभीर घायल हो गया,

जबकि उसकी पत्नी 4 फीट उछलकर ब्रिज से नीचे गिर गई।

दूसरी बाइक का चालक आकाश भी गंभीर रूप से घायल हो गया था इसके बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल लाया गया. जहां डॉक्टरों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया. इधर, आकाश की हालत भी गंभीर बनी हुई है और उसे प्राथमिक इलाज देकर इंदौर रेफर कर दिया गया है. फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

रिटेनिंग वॉल निर्माण और सौंदर्यीकरण के संबंध में दिए निर्देश

नगर निगम आयुक्त ने पंचकुइया नाले की सफाई का किया निरीक्षण

सिटी चीफ इंदौर।

आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा पंचकुइयां नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, जोनल अधिकारी विनोद अग्रवाल, वर्कशॉप प्रभारी मनीष पांडे, विवेक जैन एवं अन्य विभाग अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा आज प्रात: काल नदी सफाई अभियान के तहत पंचकुइयां नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा नाला सफाई का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के साथ ही नल किनारे रिटेनिंग वॉल का निर्माण करने के साथ ही घाट एवं आसपास के क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार सौंदर्यीकरण कार्य करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त वर्मा पंचकुइया नाला सफाई कार्य निरीक्षण के दौरान दास बगीची स्थित महाराज से सौजन्य मिले। महाराज ने निगम द्वारा नाला सफाई के कार्य की प्रशंसा की गई, इस दौरान आयुक्त द्वारा घाट किनारे स्थित कुआं की सफाई करने एवं उसे पर सुरक्षा की दृष्टि से जाली लगाने के भी निर्देश दिए गए।

आरजीपीवी को नैक की ग्रेडिंग नहीं होने का अब प्लेसमेंट पर भी दिख रहा असर

बीटेक फाइनल के 650 में से 193 विद्यार्थियों का ही हुआ प्लेसमेंट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में पिछले दिनों सामने आए वित्तीय घोटाले और नैक की ग्रेडिंग नहीं होने का प्रभाव प्लेसमेंट पर दिखने लगा है।

इस साल एक भी बहुराष्ट्रीय कंपनी विश्वविद्यालय परिसर में प्लेसमेंट के लिए नहीं पहुंची। जो कंपनियां पहुंचीं भी, उन्होंने पैकेज के मामले में विद्यार्थियों को निराश किया है। इस साल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी (यूआईटी) बीटेक अंतिम वर्ष में करीब 650 विद्यार्थी हैं।

इनमें से सिर्फ 193 विद्यार्थियों का ही प्लेसमेंट हुआ है। इसमें भी अधिकतम पैकेज 12 लाख रुपये ही मिल पाया। वहीं पिछले साल 201 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ था और अधिकतम 54 लाख रुपये का पैकेज मिला था।

70 विद्यार्थियों को नहीं मिली थी ज्वाइनिंग

साल 2023 में 201 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ था।

इसमें से 70 विद्यार्थियों को कंपनियों ने अभी तक ज्वाइनिंग ही नहीं दी। 2022 से पहले यहां 70 प्रतिशत विद्यार्थियों का प्लेसमेंट होता था। उस साल 532 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ था। इसमें सबसे ज्यादा 44 लाख रुपये का पैकेज मिला था।

जेईई में 13 लाख की रैंक पर मिला प्रवेश

इस वर्ष विवि में हर ब्रांच में कटआफ नीचे गया है। ज्वाइंट इंजीनियरिंग एंट्रेस(जेईई) में 13 लाख से ऊपर रैंक वाले विद्यार्थी को भी विवि में प्रवेश मिला है। वहीं जेईई नहीं देने वाले विद्यार्थियों की भी 12वीं के आधार पर प्रवेश दिया गया। सबसे ज्यादा विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई) ब्रांच में प्रवेश लेते हैं। इसके कटआफ रैंक में भी गिरावट आई है। पिछले साल 95 हजार 703 रैंक वाले को भी प्रवेश मिला है। वहीं इस साल एक लाख 26 हजार 201 रैंक वाले को प्रवेश दिया गया है। इसी तरह मैकेनिकल, सिविल, आइटी सभी में कटआफ नीचे गया है।

तीन साल में प्लेसमेंट

वर्ष – विद्यार्थी

2022 – 532

2023 – 201

2024 – 193

पिछले साल 54 लाख का पैकेज मिला था

ऐसा नहीं है कि इस वर्ष प्लेसमेंट कम हुआ है। पैकेज जरूर कम के मिले हैं, लेकिन अभी कई कंपनियों के आने की संभावना है। पिछले साल 54 लाख रुपये का पैकेज एक विद्यार्थी को मिला था।

– शिखा अग्रवाल, प्लेसमेंट अधिकारी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल

सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी से मानसिक तनाव की बात लिखी, गैरेज में लटका मिला शव

कर्ज से परेशान पुलिसकर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

सिटी चीफ भोपाल।

भदाभदा स्थित बटालियन में रहने वाले एएसआई ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने आर्थिक परेशानी के कारण मानसिक तनाव होने का जिक्र किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कमला नगर पुलिस के अनुसार 55 वर्षीय अनिल नागेराव भदभदा स्थित 25वीं बटालियन वाहिनी परिसर में रहते थे। वे एमपी पूल में एएसआई थे तथा वर्तमान में स्टेट गैरेज में एएसआई थे। शुक्रवार दोपहर वे घर से निकले थे। थोड़ी देर बाद उनका बेटा बाहर जाने के लिए गाड़ी लेने के लिए घर में बने गैरेज के पास गया। यहां पर उसने देखा कि गैराज का दरवाजा खुला हुआ है। दरवाजा बंद करने के लिए जब वह नजदीक पहुंचा तो उसने देखा कि अंदर उसके पिता फन्दे पर लटके हुए हैं। उसने शोर किया तो परिवार के सभी लोग वहां पर पहुंच गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है जिममें उन्होंने आर्थिक तंगी के कारण मानसिक तनाव होने के कारण अपनी जाने देना बताया। बताया जा रहा है कि उन पर कर्ज भी था जिसके कारण वे परेशान रहते थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

छत पर प्रधान आरक्षक का शव

एसएएफ के प्रधान आरक्षक का शव छत पर संदिग्ध हालत में मिला है। माना जा रहा है कि हार्ट अटैक के कारण उनकी मौत हुई है। अरेरा हिल्स थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि 52 वर्षीय राम सिंह विष्ट मूलतः उत्तराखंड के रहने वाले थे तथा एसएएफ में प्रधान आरक्षक थे। वर्तमान में वे उज्जैन में पदस्थ थे। इन दिनों उनकी ड्यूटी भोपाल स्थित सतपुड़ा भवन की सुरक्षा में थी। वे इसी भवन के परिसर में बने बैरक में रहते थे। शुक्रवार की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वे कपड़े उठाने के लिए छत पर गए थे। थोड़ी देर बाद उनका साथी वहां पर पहुंचा तो उसने राम सिंह को छत पर औंधे मुंह पर पड़ा पाया। साथी उन्हें तुरंत ही अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। माना जा रहा है कि हार्ट अटैक आने के कारण उनकी मौत हुई है।

प्रदेश के रायसेन जिले का मामला, एफडी रिलीज करने के नाम पर मांग रहे थे 60 हजार का चेक

नगर पालिका के तीन कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद के निर्देश पर लोकायुक्त संभाग भोपाल ने एक बड़ा भ्रष्टाचार ट्रैप ऑपरेशन किया। इस कार्रवाई में नगर पालिका परिषद बाड़ी, रायसेन के तीन कर्मचारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। ट्रैप के दौरान आरोपी बद्री प्रसाद शर्मा (सीएमओ), शुभम जैन (कंप्यूटर ऑपरेटर), और जय कुमार समयपाल (नगर पालिका परिषद) को गिरफ्तार किया गया।

आवेदक राजेश मिश्रा ने शिकायत की थी कि वर्ष 2021 में नगर पालिका परिषद बाड़ी के श्मशान घाट निर्माण कार्य के लिए टेंडर के साथ 3 लाख 40 हजार रुपये की एफडी जमा की गई थी, जिसे रिलीज करने के लिए आरोपी बद्री प्रसाद शर्मा ने एक लाख रुपयों की मांग की थी। मिश्रा द्वारा पुलिस अधीक्षक विशेष पुलिस स्थापना भोपाल को शिकायत करने के बाद शिकायत का सत्यापन लोकायुक्त विभाग द्वारा किया गया। सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि आरोपी बद्री प्रसाद शर्मा के साथ अन्य दो आरोपियों, शुभम जैन और जय कुमार ने मिलकर आवेदक को रिश्वत देने के लिए मजबूर किया था। आवेदक की शिकायत सही पाए जाने पर लोकायुक्त संभाग भोपाल ने 13 दिसंबर को ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। ट्रैप के दौरान आरोपी शुभम जैन को 40,000 नगद और 60,000 का चेक लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया, जबकि आरोपी जय कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई के बाद आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

चेक से रिश्वत लेने का मामला

भोपाल में रिश्वत लेने के इस मामले में चौंकाने वाली बात है कि इसमें चेक के माध्यम से रिश्वत ली जा रही थी। सामान्यतः रिश्वत की राशि नगद में ली जाती है, लेकिन इस मामले में आरोपी ने रिश्वत के रूप में ?60,000 का चेक स्वीकार किया। यह कार्रवाई लोकायुक्त संभाग भोपाल के द्वारा की गई, जिसमें तीन आरोपी पकड़े गए।

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित जनकल्याण पर्व का सीएम ने किया शुभारंभ

भोपाल संभाग के पांच जिलों को दी 758 करोड़ के विकास की सौगात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल संभाग के जनकल्याण पर्व कार्यक्रम में 758.92 करोड़ रुपए के 70 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भोपाल संभाग के जनकल्याण पर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इसमें विकास के साथ-साथ उन पात्र व्यक्तियों को योजना के लाभ से जोड़ा जा रहा है जो अभी तक योजनाओं के लाभ से वंचित रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल केवल प्रदेश की राजधानी ही नहीं बल्कि हमारे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने राजा भोज और राजा विक्रमादित्य के योगदान को याद करते हुए सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की बात कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल के प्रत्येक प्रवेश मार्ग को गौरवशाली स्वरूप देने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजा भोज और सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर प्रवेश द्वार बनाएं जाएंगे। भोपाल के तालाब और यहां की वास्तुकला आज भी जल संरक्षण और स्थापत्य कला के लिये मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में जल संरक्षण की परम्परागत तकनीकों को अपनाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल के ऐतिहासिक तालाबों की अद्भुत तकनीकी संरचना एवं उसकी उपयोगिता के को वर्तमान समय के लिये भी प्रासांगिक बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ा है। मध्यप्रदेश भी विकास और सांस्कृतिक धरोहरों के सरंक्षण में कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर मध्यप्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश टाईगर स्टेट ऐसे ही नहीं बना है। यहां राजधानी की जिन सड़कों पर दिन में लोगों का आवागमन रहता है, उन सड़कों पर रात्रि में बाघ को विचरण करते देखा जा सकता हैं। यह दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलता। यह सबराजा भोज की नगरी भोपाल में ही होता है। राजा भोज की गौरवशाली संस्कृति और विरासत के लिए भोपालवासियों को बधाई देना चाहूंगा कि यहां भोजपुर मंदिर में दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोजपुर मंदिर की पृथक से योजना बनाकर यहां की संस्कृति को देश और दुनिया के सामने लाया जाएगा।

यूपी, बिहार और महाराष्ट्र के बाद मध्यप्रदेश की सबसे खराब स्थिति

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 542 खाली पदों को डॉक्टरों का इंतजार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आसानी से उपचार नहीं मिल पा रहा है। इसका कारण यह है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में डॉक्टर ही नहीं हैं। स्थिति यह है कि प्रदेश के 1440 पीएचसी में चिकित्सा अधिकारियों के 1946 पद स्वीकृत हैं। इनमें 542 पद रिक्त हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की ओर पिछले दिनों में लोकसभा में दी गई जानकारी में सामने आई है। हेल्थ डायनामिक्स ऑफ इंडिया रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने यह जानकारी दी है।

ग्रामीण क्षेत्रों की पीएचसी में डॉक्टरों की कमी के मामले में उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र के बाद सबसे खराब स्थित मप्र की है। उत्तर प्रदेश में 4448 स्वीकृत पदों में 1621, बिहार में 4505 पदों में 1560 और महाराष्ट्र में 4926 में से 861 पर रिक्त हैं। बता दें कि 30 हजार की ग्रामीण जनसंख्या पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाता है। इस हिसाब से प्रदेश के लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को उनके

नजदीक उपचार नहीं मिल पा रहा है। उन्हें जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज या दूसरे निजी अस्पतालों में जाना पड़ रहा है।

नहीं हो पा रहा दूसरे संसाधनों का उपयोग

डॉक्टरों के नहीं होने से दूसरे संसाधनों का उपयोग नहीं हो रहा है। प्रत्येक पीएचसी में एक डॉक्टर के अतिरिक्त, एएनएम या नर्स, फार्मासिस्ट और चतुर्थ श्रेणी के पद होते है, पर वे बिना काम हैं।

तेजी से खुल रहे मेडिकल कॉलेज, नहीं मिल रहे डॉक्टर

ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों में उनके आवास और बच्चों की पढ़ाई सुविधाएं अच्छी नहीं हैं। शासकीय सेवा की तुलना में शहरों में उन्हें निजी अस्पतालों में उन्हें अच्छा वेतन मिल जाता है। एमबीबीएस के बाद अधिकतर डॉक्टर एमडी-एमएस में प्रवेश के लिए तैयारी करते हैं, इसलिए वह शहरों में रहना चाहते हैं। प्रदेश में जिस तेजी से मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं उस अनुपात में डाक्टर नहीं मिल पा रहे हैं, क्योकि प्रतिवर्ष 800 से एक हजार डॉक्टर मप्र मेडिकल कार्उसिल से एनओसी लेकर दूसरे राज्यों में जा रहे हैं।

पॉश कॉलोनियों में भैंसों का बसेरा, लोग घर छोड़ने को मजबूर

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कुछ इलाके में लोग इस कदर परेशान हो चुके हैं कि अब वह मकान बेचकर ही जा रहे हैं। इतना ही नहीं पॉश कालोनियों में जिन लोगों ने प्लाट खरीदे हैं, वह अब मकान बनाने से कतरा रहे हैं। जिसकी वजह से कालोनियों में प्लाट खाली पड़े हुए हैं। अब वह प्लाट बेचना चाह रहे हैं तो दाम भी अधिक नहीं मिल रहे हैं। जिससे वह बुरी तरह से फंस गए हैं और इसकी वजह है शहर के बीचोंबीच चलने वाली डेयरियां। इसमें सिटी सेंटर, शारदा विहार, अनुपम नगर, अल्कापुरी शहर की पाश कालोनियों में शामिल हैं।

न्यू हाई कोर्ट, कलेक्ट्रेट के यहां शिफ्ट होने के बाद यहां बसाहट भी तेजी से बढ़ी है। इसके साथ ही भैंस डेयरियों की संख्या भी बढ़ना शुरू हो गई। अब यह डेयरियां इन कालोनीवासियों के लिए परेशानी बन चुकी है। अल्कापुरी में नटराज एन्क्लेव में रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि यहां रहने वाला एक परिवार इन डेयरियों के कारण यहां से मकान बेचकर ही चला गया है। इतना ही नहीं इलाके में करीब 15-20 प्लॉट अब भी खाली पड़े हुए हैं। वह भी काफी समय से इन डेयरियों के कारण होने वाली गंदगी और दुर्गंध से खासे परेशान हैं और कई बार शिकायत भी कर चुके हैं।

सीवर चोक की समस्या भी बढ़ी

पॉश कालोनी में महंगे दामों में प्लाट लोग इसलिए खरीदते हैं जिससे वह साफ सुथरे वातावरण में रह सकें। जबकि भैंस डेयरियों के कारण यहां अक्सर सीवर चोक की समस्या बनी रहती है। जबकि कालोनी में गोबर पड़े रहने से गंदगी के साथ ही दुर्गंध भी फैलती है। हालत ये है कि इन कालोनियों की हालत अब गांव जैसी हो चुकी है। इसी वजह से लोग यहां प्लाट लेने के बाद भी मकान बनाने से कतरा रहे हैं। प्लाट अब बेचना चाहते हैं तो मुश्किल यह है कि खरीदार पहले आसपास का माहौल देखते हैं और यहां गंदगी देख लोग प्लाट खरीदने से बचते हैं।

सम्पादकीय

मोहरों के माहिर गुकेश सबसे युवा चैंपियन

आज गुकेश निर्विवाद रूप से शतरंज के बादशाह हैं। उनकी साधना ने सफलता की नई इबारत लिखी है। उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का भरपूर संबल रहा। यहां तक कि बेटे की सुनहरी कामयाबी के लिये पिता ने अपना कैरियर तक दांव पर लगा दिया। वैसे सिंगापुर में तेरह दिसंबर तक चलने वाली चेस चैंपियनशिप का एक सुखद पहलू यह भी है कि शतरंज में एशिया का वर्चस्व नजर आया। यह इस विश्वस्पर्धा के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ कि दो एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहीं मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैंपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबलों तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रेमियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा।

भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर गुकेश डी का वर्ल्ड चैंपियन बनना हर भारतीय को उल्लास से भर गया। वजह है कि वह दुनिया में सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। जो बताता है कि भारत अब शतरंज के ग्रैंड मास्टरों की खान बनता जा रहा है। वीरवार को उसने सिंगापुर में खेली गई विश्व चैंपियनशिप की 14वीं अंतिम बाजी में चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिझेन को हराया। बचपन में किसी पत्रकार ने उनसे पूछा था कि उनका सपना क्या है तो बालक गुकेश ने दो टूक शब्दों में कहा था कि मैं विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं। यह तो तय था कि वे विश्व चैंपियन बनेंगे, लेकिन इतनी जल्दी बनेंगे यह उम्मीद उनके अलावा किसी को नहीं थी। विश्वनाथन भी विश्व चैंपियन बने मगर वे 31 साल की उम्र में यह करिश्मा दिखा पाए। यही वजह है कि 14वीं व अंतिम बाजी जीतने के बाद वे भाव-विभोर होकर अपनी अप्रत्याशित जीत के बाद खुशी से सार्वजनिक रूप से रो पड़े। बेहद सहज व सरल स्वभाव के गुकेश का बड़प्पन देखिए कि इस बड़ी जीत के बावजूद उन्होंने कहा कि हारने वाले डिंग दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। बहरहाल, आज गुकेश निर्विवाद रूप से शतरंज के बादशाह हैं। उनकी साधना ने सफलता की नई इबारत लिखी है। उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का भरपूर संबल रहा। यहां तक कि बेटे की सुनहरी कामयाबी के लिये पिता ने अपना कैरियर तक दांव पर लगा दिया। वैसे सिंगापुर में तेरह दिसंबर तक चलने वाली चेस चैंपियनशिप का एक सुखद पहलू यह भी है कि शतरंज में एशिया का वर्चस्व नजर आया। यह इस विश्वस्पर्धा के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ कि दो एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहीं मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैंपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबलों तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रेमियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा।बहरहाल, इस कड़े मुकाबले का निष्कर्ष यह है कि इस मुकाबले के बाद गुकेश शतरंज की दुनिया के बेताज बादशाह बन गए हैं। उन अंतर्राष्ट्रीय माहिरों को मुंह की खानी पड़ी जो कुछ राउंड के बाद गुकेश को कमतर आंक रहे थे। वैसे पूर्व विश्व चैंपियन आनंद ने इस मुकाबले को जटिल व कठिन बताया था। बहरहाल, चेन्नई के गुकेश डी की इस कामयाबी ने एक संकेत यह दिया कि चेन्नई देश को लगातार विश्वस्तरीय ग्रैंडमास्टर दे रहा है। यहां तक कि कई चैंपियन देने वाले चेन्नई को भारत की शतरंज की राजधानी तक कहा जाने लगा है। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि गुकेश के परिवार में कभी किसी ने शतरंज नहीं खेला। उनके खेल के प्रति जुनून ने ही उन्हें विश्व चैंपियन बनाया है। यहां तक कि स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने ग्रैंड मास्टर का खिताब हासिल कर लिया था। वे 2019 में भारत के सबसे कम उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने वाले मोहरों के माहिर थे। कालांतर उनकी प्रतिभा निखारने के लिये पिता ने उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण दिलाया। उनके प्रशिक्षकों ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन पर विशेष ध्यान दिया। परिवार व स्कूल के संबल से प्रतिभा निखरी। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतने से कामयाबी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह आज विश्व चैंपियनशिप जीतने के मुकाम तक जा पहुंचा है। वैसे वे इससे पहले कॉमनवेल्थ चेस चैंपियनशिप में गोल्ड, स्पेन में संपन्न अंडर-12 चैंपियनशिप, यूरोपियन चेस क्लब कप के अलावा कई ओपन टाइटल समेत कई खिताब भी जीत चुके हैं। निस्संदेह, इस शिखर की कामयाबी में जहां गुकेश की कड़ी मेहनत, एकाग्रता व जुनून शामिल है, वहीं सर्जन पिता डॉ.रजनीकांत के त्याग का भी बड़ा योगदान है, जिन्होंने अपना कैरियर ही बेटे के भविष्य के लिये छोड़ दिया था। वहीं गुकेश के कैरियर को बुलंदियों तक पहुंचाने में योग का भी योगदान है, जिसने उन्हें गहरी एकाग्रता दी है। एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल से भेटवार्ता में उन्होंने स्वीकार किया था कि योगाभ्यास ने उनकी एकाग्रता को संबल देकर मानसिक रूप से मजबूत बनाया है।

भारत के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक, कुंभ नगरी प्रयागराज

कुंभ प्रयागराज की सांस्कृतिक संपदा का एक अंश मात्र है। यह शहर, जिसका इतिहास पुराणों जैसे प्राचीन ग्रंथों और महाभारत जैसे महाकाव्यों में दर्ज है, हर नुक्कड़ और कोने में एक कहानी कहता है, चाहे वह इसके घाट हों, इसके मंदिर हों या ऋषियों और कवियों से इसका लगाव हो। कोई भी शहर जो ज्ञान के साथ-साथ कला का निवास होने की इतनी लंबी विरासत का दावा कर सकता है, वह स्वचालित रूप से अनंत काल तक जीवित संस्कृति के शहर के रूप में अस्तित्व में आने के योग्य होगा। बहुत से लोगों के लिए, कुंभ के दौरान प्रयागराज को देखना सिर्फ़ तीर्थयात्रा नहीं है; यह भीतर की ओर उतरनेवाली आध्यात्मिक यात्रा भी है। यह आत्मा के साथ-साथ शरीर को भी शुद्ध करने का मार्ग बतलाता है। यह समर्पण का क्षण है, जो उन्हें जीवन के गहरे उद्देश्य को जानने के निकट लाता है।

भारतीय सांस्कृतिक एकता और गौरव के प्रतीक के रूप में पवित्र धार्मिक नगरी प्रयागराज भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को प्रस्तुत करने वाली विश्वविख्यात आध्यात्मिक नगरी है। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती को भित्तिचित्रों में एक साथ रखा गया है, क्योंकि हिंदू धर्म दर्शन में इस शहर का सबसे अधिक पौराणिक महत्व है।

यह न तो नदियों का भौगोलिक संगम है और न ही आस्था और प्रकृति का त्रि-बिंदु है। इसका एक गौरव यह है कि प्रयागराज वह स्थान है, जहां मानवता का सबसे बड़ा समागम, कुंभ- महाकुंभ-मेला होता है। इस त्योहार को आमतौर पर दुनिया में सबसे शांतिपूर्ण मानव सभा के रूप में अतिशयोक्ति के साथ संदर्भित किया जाता है, जो भक्ति और एकता का समग्र प्रतीक है। दरअसल, इस विशेष अवधि के आसपास, विभिन्न देशों और संस्कृतियों और जीवन के क्षेत्रों के लोग यह मानने लगे हैं कि वे पवित्र स्नान की सहायता से जीवन को समग्रता में बदल सकते हैं। पवित्र संगम के विविध घाटों पर उपस्थित होना, जहां मंत्र, ध्यान पूर्ण मौन और बहुत विस्तृत अनुष्ठान मिलते हैं, वास्तव में एक अलग जीवन जीने जैसा है।

मेरे लिए, कुंभ एक सांस्कृतिक घटना का प्रतिनिधित्व करता है, न कि केवल एक धार्मिक आयोजन। संतों के प्रवचनों से गुंजायमान एक साथ रखे गए नयनाभिराम रंग-बिरंगे तंबुओं के रंग अतुलनीय हैं। वहां प्रार्थनाओं से लगातार गंजरित और सुशोभित रहने वाला वातावरण और नदी के किनारे ध्यान कर रहे भगवाधारी साधु, भारत की शाश्वत आत्मा की बात करते हुए आध्यात्मिकता के साक्षात् प्रतीक हैं। यह परिवेश दशार्ता है कि भौतिकवाद और अराजकता से ग्रस्त दुनिया में आस्था कितनी शक्ति दे सकती है।

विविधता में भारतीय एकता का एक छोटा सा स्वरूप। इस तरह के तीर्थ यात्री हर भाषा, हर जाति और यहां तक कि सबसे विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। वे सभी भक्ति में सभी मतभेदों को दूर करके एकता में आस्था रखकर आते हैं। यही एकता है; यहां सामूहिक आध्यात्मिक पहचान की एकता में विलीन होना। यह वह संदेश है जिसे हर खंडित समाज को अवश्य सुनना चाहिए। अपने आध्यात्मिक आकर्षण से परे, यह कुंभ एक अद्वितीय तार्किक और संगठनात्मक घटना की अनुपमेय उदाहरण है। यानी, एक समय में कई हफ्तों तक लाखों लोगों का प्रबंधन करने के लिए सटीकता, अनुशासन और समावेशी भाव की आवश्यकता होती है। इस आयोजन में जिन चीजों पर ध्यान दिया जाता है, उनमें यह भी शामिल है कि यह स्वच्छ जल और स्वच्छता, व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवा का प्रबंधन कैसे करता है।

वास्तव में, यह भारत की परंपरा और आधुनिकता के बीच सामंजस्य को दशार्ता है। वास्तव में, यह एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो दिखाता है कि आधुनिक परिवेश में प्राचीन रीति-रिवाज सहजता से कैसे पनप सकते हैं। प्रयागराज एक और भी महत्वपूर्ण कारण का गवाह है- पर्यावरण चेतना की आवश्यकता। शहर को परिभाषित करनेवाली पवित्र नदियाँ न केवल आध्यात्मिकता के लिए, बल्कि लाखों लोगों के भरण-पोषण के लिए भी जीवन रेखाएं हैं। कुंभ इस तथ्य को और भी अधिक उजागर करता है कि उन पवित्र नदियों को प्राकृतिक संसाधनों के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। पानी सबको समग्र रूप से शुद्ध करता है और इसलिए हमें माँ प्रकृति के पोषण और सुरक्षा में इस की देखभाल करनी चाहिए।

कुंभ प्रयागराज की सांस्कृतिक संपदा का एक अंश मात्र है। यह शहर, जिसका इतिहास पुराणों जैसे प्राचीन ग्रंथों और महाभारत जैसे महाकाव्यों में दर्ज है, हर नुक्कड़ और कोने में एक कहानी कहता है, चाहे वह इसके घाट हों, इसके मंदिर हों या ऋषियों और कवियों से इसका लगाव हो। कोई भी शहर जो ज्ञान के साथ-साथ कला का निवास होने की इतनी लंबी विरासत का दावा कर सकता है, वह स्वचालित रूप से अनंत काल तक जीवित संस्कृति के शहर के रूप में अस्तित्व में आने के योग्य होगा। बहुत से लोगों के लिए, कुंभ के दौरान प्रयागराज को देखना सिर्फ़ तीर्थयात्रा नहीं है; यह भीतर की ओर उतरनेवाली आध्यात्मिक यात्रा भी है। यह आत्मा के साथ-साथ शरीर को भी शुद्ध करने का मार्ग बतलाता है। यह समर्पण का क्षण है, जो उन्हें जीवन के गहरे उद्देश्य को जानने के निकट लाता है। यही वह पक्ष है, जो धर्म की दिशा प्रदान करता है- दैनिक व्याकुलता से पीछे हटने का मार्ग देता है, जिसके कारण ऐसी स्पष्टता और शांति शायद ही कहीं और मिले।

जब मैं प्रयागराज और उसके पवित्र समागम को देखता हूं, तो मुझे सिर्फ़ कर्मकांडों और धर्म से परे एक संदेश दिखाई देता है। कुंभ आस्था, धीरज और मानवीय भावना का महिमामंडन करता है। यह समुदाय, प्रकृति की पवित्रता और वास्तव में उच्च चेतना की खोज की याद दिलाता है। भव्य रूप से, यह प्रयागराज है-शहर सिर्फ़ एक गंतव्य नहीं है, बल्कि एक जीवंत, सांस लेने वाला अनुभव है, जो प्रेरणा और उत्थान को जारी रखने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सांसारिक और दिव्य, ऐतिहासिक और आधुनिक, व्यक्तिगत और सामूहिक के बीच एक सेतु का काम करता है, जो हमेशा के लिए अपने हृदय और जीवन को प्रकाश पुंज से प्रकाशित होने के लिए सांत्वना और प्रेरणा देता है। ऐसी पुण्यसलिला पवित्र आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी प्रयागराज एवं उसके अंतस् में अवस्थित आध्यात्मिकता का शिखर ह्यकुंभह्न, दोनों वरेण्य एवं वंदनीय हैं।

उपन्यास सा ऐतिहासिक जादू रचेगी मार्केस की कालजयी कृति पर बनी फिल्म?

ड्राइविंग के विषय में 1982 नोबेल पुरस्कृत उपन्यासकार गैब्रियल गार्षा मार्केस का कहना है- ड्राइविंग एक स्किल है, ऑटोमेटिक, साथ ही यह ध्यान केंद्रित करने की बेहद मांग करती कुशलता है। इतना अधिक ध्यान केंद्रित करने की मांग करती है कि ड्राइव करते समय उनका ध्यान अपने उपन्यासों पर से हट जाता है। साथ ही अक्सर उनको यात्रा में, राह में नए-नए कथानक सूझते रहते थे।एक बार जब छुट्टियां मनाने केलिए वे परिवार के साथ जा रहे थे। मार्केस ड्राइव कर रहे थे। अचानक उनके दिमाग में एक उपन्यास की पहली पंक्ति कौंधी और बस वहीं-के-वहीं उन्होंने यात्रा रोकी वापस मुड़े और सीधे लिखने बैठ गए। एक दो दिन नहीं अट्ठारह महीने लिखते रहे। जो पहली पंक्ति सूझी थी, वह थी- 'बहुत सालों के बाद, जब उसने फ़ायरिंग स्क्वॉड का सामना किया...' जिसका नतीजा हुआ उनका विश्व प्रसिद्ध, जादुई यथार्थवादी उपन्यास 'वन हंड्रेड इयर्स ऑफ़ सोलिट्यूड'। 1967 के इस उपन्यास की ख्याति ने उन्हें अमर कर दिया।

इस अट्ठारह महीने के दौरान कैसे घर की हर चीज बिक गई या गिरवी रख दी गई, कर्ज चढ़ गया और कैसे न केवल कर्ज चुकाया गया वरन् पूरा जीवन बदल गया, यह सब अब इतिहास है। इस उपन्यास की लाखों प्रतियां कुछ सप्ताह में बिक गई। अब तक इस किताब की पचास लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं और तीस भाषाओं में इसका अनुवाद उपलब्ध है। यह हिन्दी में भी उपलब्ध है। मजे की बात यह है, यह उपन्यास पहले उनके अपने देश में न प्रकाशित हो सका। पहले यह अर्जेंटीना में प्रकाशित हुआ। यह महागाथा एक परिवार की कई पीढ़ियों की कहानी 'मैजिकल रियलिज्म' की शैली में चित्रित करती है।

इस समयातीत गाथा के केंद्र में बुनेदिया परिवार है और यह मकांडो नामक काल्पनिक स्थान में घटित होती है। मार्केस

द्वारा रचित यह काल्पनिक स्थान आज वास्तविक स्थान से अधिक प्रसिद्ध है। इस उपन्यास में क्या नहीं है। यहां अतीत है, प्रेम है, भाग्य और विश्वास है।

इसका कथानक एक ओर एक परिवार (असल में मार्केस परिवार) की गाथा कहता है, तो दूसरी ओर यह पूरे महादेश की कथा कहता है। स्पैनिश रॉयल अकादमी ने इसकी चालीसवीं वर्षगाँठ बड़ी धूमधाम से विशेष संस्करण निकाल कर मनाई। उन्होंने अब तक ऐसा केवल सर्वांतिस के डॉन क्विक्सोट (किहोटे) के लिए ही किया था।

जिंदगी में प्रारंभ से दोस्तों के बीच गैबिटो और गाबो के नाम से प्रेमपूर्वक पुकारे जाते मार्केस स्त्रियों से खूब प्रभावित रहे। उनकी मां-नानी उनके जीवन को दिशा देने में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। नानी से सुने किस्से इस उपन्यास में समाहित हैं। युवा मार्केस के जीवन में उनकी प्रेमिका-पत्नी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जब वे यह उपन्यास लिख रहे थे, उस सारे 18 महीने उनकी पत्नी मर्सडीज बार्चा पार्डो घर की देखभाल कर रहीं थीं। मार्केस अपने कमरे में बंद बस एक काम कर रहे थे, लिखना, लिखना और लिखना। मर्सडीज बार्चा पार्डो एक दशक से अधिक उनकी प्रेमिका थीं, दोनों ने 1958 में विवाह किया। इन दोनों के दो बेटे हैं, बड़ा बेटा रोड्रिगो फ़िल्म निर्देशक है, जबकि छोटा गोंज़ालो ग्राफ़िक डिजाइनर है।

6 मार्च 1927 को जन्में गैब्रियल गार्षा मार्केस ने 'वन हंड्रेड इयर्स ऑफ़ सोलिट्यूड' के अलावा 'क्रोनिकल ऑफ़ ए डेथ फ़ोरटोल्ड', 'ऑटम ऑफ़ द पैट्रियार्क', 'लव इन टाइम ऑफ़ कॉलरा', 'इन एविल ऑवर', 'द जनरल इन हिज लेबीरिंथ', 'लीफ़ स्ट्रोम' आदि लिखा है। 'लव एंड अदर डीमन्स' उनका अंतिम उपन्यास था। विपुल लेखन करने वाले गैब्रियल गार्षा मार्केस और उनके काम पर बहुत लोगों ने लिखा, कई लोगों ने उनकी जीवनी लिखी। मार्टिन जेराल्ड ने करीब 700 पन्नों में 'गैब्रियल गार्षा मार्केस एक लाइफ़' नोबेल पुरस्कृत (1982) की जीवनी लिखी। वे खुद अपनी जीवनी तीन भागों में प्रकाशित करवाने का इरादा रखते थे, मगर 2002 में केवल एक भाग 'लिविंग टू टेल द टेल' ही प्रकाशित हो सका। इसके बाद उनकी तबियत बहुत खराब हो गई। गजब की याददाश्त वाले मार्केस को स्मृति-ह्रास होने लगा और फ़िर वे 17 एप्रिल 2014 को चल बसे।

क्या वेब सीरीज रचेगी इतिहास?

और अब इसी उपन्यास 'वन हंड्रेड इयर्स ऑफ़ सोलिट्यूड' पर सीरियल बन रहा है। जबकि मार्केस अपने इस उपन्यास पर फ़िल्म बनाने के सख्त खिलाफ़ थे। हालांकि फ़िल्म की सीमा और साहित्य की असीमित शक्ति से परिचित थे। अतः उन्होंने कई लोगों द्वारा अकूत राशि का प्रस्ताव मिलने पर भी अपने सर्वाधिक प्रसिद्ध उपन्यास 'वन हंड्रेड ईयर्स ऑफ़ सोलिट्यूड' का फ़िल्म बनाने का अधिकार किसी को नहीं दिया।

वैसे उनकी कुछ कहानियों और उपन्यासों पर फ़िल्म बनीं हैं। इनमें 'आई ओनली केम टू यूज द फ़ोन', 'लव इन द टाइम ऑफ़ कॉलरा', 'क्रोनिकल ऑफ़ ए डेथ फ़ोरटोल्ड', 'ए वेरी ओल्ड मैन विद एनॉर्मस विन्ग्स' और एरेंडीरा' प्रमुख हैं। मार्केस ने तरह-तरह के काम किए।

लेखन में वे उपन्यासकार के तौर पर पहचाने जाते हैं, जबकि उन्होंने नायाब कहानिया लिखी हैं, लेख और स्क्रिप्ट लिखी हैं। विज्ञापन संस्थान के लिए काम किया है। टेलिविजन के लिए एक सोप ऑपेरा 'आई रेंट माईसेल्फ़ आउट टू ड्रीम' की स्क्रिप्ट लिखी। यह वेनेज़ुला में एक इंग्लिश गर्वनेस के जीवन पर आधारित कहानी है।

पत्रकारिता के जुनून के साथ-साथ मार्केस को फ़िल्म का भी चस्का था। उन्होंने बाकायदा फ़िल्म स्टडी की थी। अस्सी के प्रारंभ में उन्होंने क्यूबा की राजधानी हवाना में एक इंटरनेशनल फ़िल्म स्कूल की स्थापना की। उन्होंने फ़िल्म समीक्षा, स्क्रिप्ट लेखन का काम जम कर किया। मगर वे अपने उपन्यास 'वन हंड्रेड ईयर्स ऑफ़ सोलिट्यूड' पर फ़िल्म बनाने का अधिकार किसी को नहीं देना चाहते थे।

गरीब, किसान, महिलाएं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही भाजपा का संकल्प-इंदरसिंह परमार

डॉ मोहन यादव सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुई पत्रकारवार्ता

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ। शाजापुर, पार्वती, कालीसिंध, चंबल लिंक परियोजना और केन बेतवा लिंक परियोजना जिसका भूमि पूजन आगामी दिनों में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले हैं, यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और रोजगार के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। गरीब किसान महिलाएं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भाजपा सरकार संकल्पित है। यह बात मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सफल एवं सार्थक 1 वर्ष पूर्ण करने पर भाजपा जिला कार्यालय पर शनिवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में संबोधित करते हुए कही। उन्होने कहा कि 13 दिसंबर 2024 को डॉ मोहन यादव की सरकार ने सफल एवं सार्थक एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। सरकार का यह प्रथम वर्ष प्रदेश में सुशासन विकास और विरासत के संवर्धन के लिए समर्पित रहा है। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ गौरवशाली सम्पन्न एवं विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पना को साकार करने का ईमानदार प्रयास किया हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश की उन्नति के लिए किसान, गरीब, महिला और युवाओं के लिए सफलता के द्वार खोल दिए हैं। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याण पर्व शुरू किया गया है, जिसमें जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नागरिकों को शिविर लगाकर लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि किए जाएंगे। डॉ मोहन यादव सरकार ने संबल 2.0 के अंतर्गत 1 करोड़ 73 लाख से अधिक श्रमिकों का पंजीयन। 40 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों को 895 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह राशि का अंतरण सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में प्रतिमाह 55 लाख हितग्राहियों को 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि का अंतरण। पीएम स्वनिधि योजना में 11 लाख से अधिक हितग्राहियों को 10 से 50 हजार रुपये तक के ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 36 लाख से अधिक परिवारों और प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में 8 लाख से अधिक परिवारों के घर का सपना साकार हुआ। वहीं किसानों के कल्याण हेतु रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों को 1 हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 3900 रूपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। किसानों को समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं पर प्रति क्विंटल 125 रुपये बोनस का भुगतान। सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपार्जन करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री किसान कल्याण सम्मान निधि में 6 हजार रूपये प्रति वर्ष का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया जा रहा है। राजस्व महाअभियान के दो चरणों में 80 लाख से अधिक लंबित प्रकरणों का निपटारा किया गया। राजस्व महाअभियान 30 शुरू हुआ। मंत्री परमार ने अन्य योजनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, दिनेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

खनन माफियाओं ने ट्राली से कुचलकर महिला को मौत के घाट उतारा

ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आकर महिला का देवर भी हुआ गंभीर घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर (नकुड़)। खनन माफियाओं ने ट्राली से कुचलकर महिला को मौत के घाट उतार दिया। ट्रैक्टर- ट्राली की चपेट में आकर महिला का देवर भी गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार रात करीब एक बजे गांव टाबर- मंधौर सड़क पर स्थित सरदार जगदीप उर्फ लाडी अपने घर के पास रास्ते पर पाइप डालकर अपने खेत की सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान हरियाणा के गांव पोभारी से कुछ खनन माफिया रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्राली लेकर उसी रास्ते से निकल रहे थे। जगदीप ने उन्हें पाइप के ऊपर से ट्रैक्टर-ट्रॉली उतारने से रोक दिया। जगदीप ने आरोप लगाया कि ट्रॉली रोकने से गुस्साए करीब सात-आठ लोगो ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर जगदीप की मां सुखविंदर कौर पत्नी जयदेव व चाचा सुरेंद्र भी मौके पर आ गए। आरोप है कि बहस के दौरान आरोपियों ने तैश में आकर ट्रैक्टर-ट्राली से तीनों को कुचलने का प्रयास किया। जिसमें 55 वर्षीय सुखविंदर कौर ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आ गई और रेत से भरी ट्राली महिला के ऊपर से उतर गई। जिससे सुखविंदर कौर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। महिला को बचाने के प्रयास में मृतका के देवर सुरेंद्र के पैर के ऊपर से ट्रैक्टर उतरने से वह गंभीर घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर खनन परिवहन करने वाले आरोपी मौके से ट्रैक्टर- ट्राली लेकर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस महिला के शव व घायल सुरेन्द्र को लेकर सीएचसी लेकर आई। पुलिस ने स्वजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जगदीप पुत्र जयदेव ने पुलिस को तहरीर देकर वाजिद व तालिब पर महिला को ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे फेंकने तथा काला पुत्र मामुदीन पर महिला के ऊपर ट्रैक्टर- ट्रॉली चढ़ाने का आरोप लगाया तथा आरोपी काला, तासीन, वाजिद, तालिब पुत्रगण मामुदीन निवासी गांव पोभारी, थाना जठलाना, जिला यमुनानगर के नाम रिपोर्ट में लिखवाए है। जगदीप पुत्र जयदेव ने तहरीर देकर आरोपियों पर हत्या व हत्या के प्रयास में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। परिजनों की ओर नकुड़ में सरसावा तिराहे पर जाम भी लगाया गया।

देवबंद पुलिस ने दो शातिर गौकश अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से गौकशी के उपकरण, एक आई-टेन कार व करीब ढाई हजार रूपए की नकदी हुई बरामद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर के गांधी कालोनी से गोवंश चोरी कर उसका वध करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार दोनो आरोपी पशुओं की चोरी कर उनका कटान कर उसे मीट की दुकानों पर बेचने का धंधा करते है। लालवाला मार्ग स्थित गांधी कालोनी निवासी सोमपाल ने कोतवाली में अज्ञात चोरों पर उसका गोवंश चोरी कर ले जाने का आरोप लगाया था। इस दौरान तलाश करते हुए घर से कुछ दूरी पर उसके अवशेष गन्ने के खेत में पडे मिले थे। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों मोहल्ला खानकाह निवासी सोनू उर्फ सलमान और मोहल्ला लहसवाडा निवासी सुहैब को मुखबिर की सूचना के बाद गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से गौकशी के उपकरण, एक आई-टेन कार व करीब ढाई हजार रूपए की नकदी बरामद हुई है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने सोमपाल का संरक्षित पशु चोरी कर उसका वध करना स्वीकार किया है। पुलिस पूछताछ के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश भी कर रही है।

प्रमुख सचिव ने किया स्मार्ट सिटी की तीन परियोजनाओं का निरीक्षण

सभी परियोजनाओं का माप पुस्तिका एवं डिजाइन ड्राइंग के साथ किया बारीकी से निरीक्षण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, प्रमुख सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश शासन और जिले के नोडल अधिकारी रविन्द्र ने जनपद भ्रमण के दौरान स्मार्ट सिटी की तीन परियोजनाओं, हैबीटेट सेंटर व कन्वेंशन हॉल सहित स्टेडियम की खेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त संजय चौहान ने नोडल अधिकारी को परियोजनाओं के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। नोडल अधिकारी ने समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिए। नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, सीडीओ व स्मार्ट सिटी के अन्य अधिकारियों के साथ जनमंच परिसर स्थित निर्माणाधीन कन्वेशन हॉल पहुंचे और प्रदर्श मॉडल व माप पुस्तिका एवं डिजाइन ड्राइंग के साथ बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पिलरों की स्थिति, उनमें प्रयुक्त सरिया आदि सामग्री के सम्बंध में कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों से जानकारी ली। उन्होंने पिलरों को नपवाकर भी देखा और प्रयुक्त की गयी निर्माण सामग्री के टेस्ट कब-कब हुए है, टेस्ट रजिस्टर देखकर इस सम्बंध में भी सवाल किये। उन्होंने सबसे ऊपरी मंजिल पर पहुंचकर पिलर में लगे सरियों के नमूने और दरवाजे में लगाये एल्यूमिनियम व शीशों की गुणवत्ता के सम्बंध में भी जानकारी ली। उन्होंने ले-आऊट देखकर यह भी जांचा परखा कि जो सामग्री डीपीआर में प्रस्तावित है, उसका प्रयोग किया गया है या नहीं। उन्होंने लगायी जा रही टायल का भी नमूना देखा और दूसरे फ्लोर पर लगायी गयी टायल का लेविल कराने के निर्देश दिए। रविन्द्र ने कार्यदायी संस्था को अपने रजिस्टर ठीक से मेनटेन करने तथा समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने प्रमुख सचिव/नोडल अधिकारी को बताया कि कन्वेंशन हाल का कार्य 95 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है, शेष कार्य भी शीघ्र पूरा करा लिया जायेगा।

इसके बाद नोडल अधिकारी रविन्द्र अम्बेडकर स्टेडियम पहुंचे। जहां स्मार्ट सिटी से बनायी गयी सभी खेल परियोजनाओं के सम्बंध में नगरायुक्त/सीईओ स्मार्ट सिटी संजय चौहान ने जानकारी दी। नोडल अधिकारी ने बैडमिंटन हाल का निरीक्षण किया। स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने बताया कि उक्त हाल का स्मार्ट सिटी के तहत पुनरोद्धार किया गया है। पुराना फ्लोर हटाकर नया फ्लोर बनवाया गया है। उन्होंने हाल के वुडन फ्लोर और उसकी थिकनेस की भी बारीकी से जांच की। डीपीआर के अनुरुप थिकनेस पाये जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। नोडल अधिकारी ने नवनिर्मित बॉक्सिंग हाल का भी निरीक्षण किया और फ्लोर व लगाये गए शीशो की थिकनेस आदि की जानकारी ली। अम्बाला रोड स्थित निर्माणाधीन हैबीटेट सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना का प्रदर्श मॉडल और विभिन्न फ्लोर का भ्रमण कर उनके उपयोग के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने परियोजना में शेष रहे कार्यो व परियोजना के पूरा होने के सम्बंध में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर नगरायुक्त/एसीईओ राजेश यादव, मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह, डीजीएम सिविल दिनेश सिंघल के अलावा सीएण्डडीएस, यूपीपीसीएल, यूपीआरएनएन आदि कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों का कराएं दाखिला

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं जनपद के नोडल अधिकारी रविन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आहूत की गई। श्री रविन्द्र ने नई दुग्ध समितियों के गठन के साथ पुरानी दुग्ध समितियों को पुनर्जीवित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि भूमि की अनुपलब्धता के कारण जिन स्थानों पर सामुदायिक शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है वहां व्यक्तिगत रूचि लेते हुए भूमि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बीएसए को निर्देश दिए कि प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों को नामांकित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने गौआश्रय स्थलों की जानकारी लेते हुए सहभागिता योजना के तहत समय से सभी संबंधितों का भुगतान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पशु टीकाकरण शत-प्रतिशत करते हुए उसे पशुधन एप पर फीड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उप निदेशक कृषि को निर्देश दिए कि विभिन्न गोष्ठियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से कृषकों को नई-नई वैज्ञानिक तकनीकों एवं पद्धतियों के बारे में बताया जाए। उन्होने निर्देश दिए कि निवेश-मित्र पोर्टल पर कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे। प्रमुख सचिव ने मुख्य चिकित्साधिकारी को नियमानुसार वॉक इन इन्टरव्यू करते हुए रिक्त पदों पर भर्ती करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर तैनात चिकित्सकों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि कोई भी चिकित्सालय चिकित्सकविहीन न रहे। समय से चिकित्सकों की उपस्थिति एवं जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिन पात्र लाभार्थियों का किन्हीं कारणों से आवास पूर्ण नहीं हो पा रहा है उन समस्याओं को दूर करते हुए शीघ्रता से आवास पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनपद में बनी हाईटेक नर्सरी को यथाशीघ्र शुरू करने के लिए जनरेटर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। श्री रविन्द्र ने स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं में प्राप्त शिकायतों पर परियोजनाओं की पूर्ण डिटेल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय से परियोजनाओं को पूर्ण नहीं करने वालों पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत तोडी गई सडकों को मानक के अनुसार रेस्टोरेट किया जाए। उन्होने फर्म एनकेजी की खराब कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एनकेजी को डिस्कोप करने के लिए शासन को पत्र भिजवाने के निर्देश दिए। हर घर नल से जल योजना के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। ओवरलोड करने वाले वाहनों पर सख्ती से कार्यवाही की जाए।प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सही जानकारी उपलब्ध न कराने पर संबंधित एक्सईएन को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में जितनी भी परियोजनाएं निर्माणाधीन है उन्हें निर्धारित समय पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के तहत बेहतर कार्य योजना बनाकर जनपद के सभी 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के शीघ्रता से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद में निर्माणाधीन परियोजनाओं एवं योजनाओं के बारे में नोडल अधिकारी को विस्तार से अवगत कराया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने जनपद को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर नगर आयुक्त संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डीएफओ शुभम सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कुठला थाना पुलिस ने अवैध मुरूम उत्खनन पर मारा छापा

दो डंपर और जेसीबी जब्त

सुनील यादव । सिटी चीफ । कटनी, कटनी के कुठला थाना क्षेत्र पटवारा ग्राम में चल रहे अवैध मुरूम के उत्खनन की सूचना मिलते ही कुठला थाने की पुलिस ने घेराबंद करते हुए दो डंफर सहित एक जेसीबी पकड़ी है। वही उनके चालक पुलिस को देख भाग खड़े हुए। जिसकी तलाश की जा रही है। कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि उन्हें जैसे ही अवैध उत्खनन की सूचना मिली वह अपने पूरे स्टॉप के साथ मौके पर पहुंच घेराबंदी करते हुए पटवारा ग्राम के समीप दो डंफर सहित एक जेसीबी को जब्त किया है। इस सभी के चालक पुलिस को देख मौके से फरार हो गए है जब्त हुए एक डंफर में मुरूम लोड है और एक खाली डंफर जब्त हुआ है। कुठला थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि उन्हें पुलिस के आने की सूचना पहले ही मिल गई थी। जिसके चलते वह मौके से भागने लगे और पुलिस को देख डंफर चालक और जेसीबी चालक भी भाग खड़े हुए है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वही यह पता लगाने में जुट गई है कि किसके द्वारा ये उत्खनन किया जा रहा था।

दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र के जंगल में माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई घंटो तक चली मुठभेड़

मुठभेड़ में 05 पुरूष एवं 02 महिला कुल 07 सशस्त्र वर्दीधारी माओवादी का शव बरामद हुआ

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ ।

रायपुर, नक्सल विरोधी सर्च अभियान में 10/12/2024 को नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डीआरजी के साथ एसटीएफ तथा सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी शीर्ष माओवादियों की उपस्थिति की आसूचना पर दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी।

अभियान के दौरान दिनांक 12.12.2024 के लगभग प्रात: 3ः00 बजे दक्षिण अबूझमाड़ कलहाजा – डोंड़रबेड़ा के जंगल, पहाड़ में पुलिस पार्टी एवं माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई जो की देर तक लगातार चलती रही।

फायरिंग बंद होने पर सभी टीमों द्वारा अपने-अपने दिये गये टॉस्क क्षेत्र में सर्चिंग करने पर घटना स्थल के अलग-अलग स्थानों से 05 पुरूष एवं 02 महिला कुल 07 सशस्त्र वर्दीधारी माओवादी का शव बरामद हुआ।

मारे गए माओवादियों में कार्तिक उर्फ दसरू 25 लाख इनामी, रैनी उर्फ रमिला मडकम 05 लाख इनामी सहित अन्य सोमारी ओयाम, गुडसा कुच्चा, रैनू पोयाम, कमलेश उर्फ कोहला एव सोमारु उर्फ मोटू 2-2 लाख ईनामी नक्सली शामिल।

घटना स्थल में और भी खून के धब्बे दिखाई दिये जिससे प्रतीत होता है कि इस मुठभेड़ में बडी संख्या में अन्य माओवादियों के घायल अथवा मारे जाने की प्रबल संभावना है।

बरामद हथियार

1- 303 रायफल - 02 नग।
2- बी जी एल लाँचर - 02 नग।
3- 12बोर रायफल - 02 नग।
4- भरमार बंदूक - 02 नग ।
5- भारी मात्रा में विस्फोस्टक सामग्री सहित अन्य दैनिक उपयोगी सामान बरामद हुआ।

मारे गये नक्सलियों के नाम व पद

1. रामचन्द्र उर्फ कार्तिक उर्फ दसरू उर्फ जीवन - एस. सी. एम. ओडिसा स्टेट कमेटी सदस्य , सचिव पश्चिम ब्यूरो
2. रैनी उर्फ रमिला मडकम - ए.सी.एम. पश्चिम बस्तर
3. सोमारी ओयाम - पी. एम .
4 . गुडसा कुच्चा - पी. एम.
5 . रैनू पोयाम - पी.एम.
6. कमलेश उर्फ कोहला - पी.एम.
7. सोमारु उर्फ मोटू - पी.एम.

माड़ डिवीजन के इंद्रावती एरिया कमेटी ग्राम कल्हाजा व डोंडरबेड़ा के जंगलों में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और ओडिशा राज्य के शीर्ष स्तर के नक्सलियों की संयुक्त

बैठक आयोजित की गई थी जिसमें सेंट्रल कमेटी समेत कई स्टेट कमेटी के मेंबर भी शामिल हुए थे। बड़े कैडर के नक्सलियों के एकत्रित होने की आसूचना मिलने पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव की डीआरजी तथा एस टी एफ की संयुक्त पार्टी दिनांक 11/12/2024 को रवाना हुई थी। मुठभेड़ में ओड़ीशा स्टेट कमेटी सदस्य कार्तिक उर्फ दसरू समेत 7 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए। कई अन्य नक्सलियों के घायल होने की आसूचना भी मिली है।

प्रदवी मोहन राव उर्फ रामचन्द्र उर्फ कार्तिक उर्फ दसरू उर्फ दसरन्ना उर्फ नरेश उर्फ लखमू उर्फ जीवन विगत कई वर्षों से स्टेट कमेटी मेंबर एस सी एम ओड़ीशा स्टेट कमेटी के रूप में सक्रिय था। इंजीनियर में ग्रेजुएट कार्तिक उर्फ दसरू ओड़ीशा स्टेट कमेटी मेंबर में शामिल होने के पूर्व नल्लामला फॉरेस्ट एरिया में पीपुल्स वार ग्रुप के लिए नक्सल गतिविधियों में शामिल था

अबूझमाड़ क्षेत्र के दुर्गम जंगल एवं विकट भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले मूल निवासियों को नक्सलवादी विचारधारा से बचाना और उन्हें माओवादी सिद्धांतों के आकर्षण से बाहर निकालना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है, ताकि क्षेत्र में विकास एवं शांति कायम हो सके। हम उन सभी मूलवासियों जो बाहरी विचारधारा और बाहर के नक्सली नेताओं के गलत प्रभाव में फंस गये हैं उनसे अपील करते हैं कि वे नक्सलवाद एवं नक्सली विचारधारा को त्याग कर शासन की आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति को अपनाकर समाज के मुख्य धारा से जुड़े और हथियार और नक्सलवादी विचारधारा का पूर्णत: त्याग व विरोध करें।

अबूझमाड़ जो माओवादियों के गढ़ है और माओवादी जिन्हे अपना सुरक्षित ठिकाना मनाते है, उस क्षेत्र में जिला नारायणपुर, दन्तेवाड़ा, कोण्डागांव और कांकेर द्वारा संयुक्त रूप से संचालित नक्सल विरोधी अभियान के दौरान विगत एक साल में 130 से ज्यादा माओवादी मारे जा चुके है। सिर्फ नारायणपुर जिले में पिछले एक साल में 56 नक्सली मारे जा चुके है ये आंकड़े अबूझमाड़ में नक्सलियों के विरूद्ध सुरक्षा बलो के प्रहार और सफलता को दर्शाता है।

प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के उद्देश्य से स्थानीय जिला पुलिस बल, डीआरजी तथा केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा आपसी बेहतर तालमेल एवं कुशल रणनीति के साथ काम करने के परिणामस्वरूप यह एक सफल ऑपरेशन रहा।

प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के पास अब हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है, इसलिए माओवादी संगठन से पुन: अपील हैं कि वे तत्काल हिंसात्मक गतिविधियों को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़े अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

जनपद शिक्षा केन्द्र शाजापुर की बीपीएमयू की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

शाजापुर

शाजापुर। शुक्रवार को जनपद शिक्षा केन्द्र शाजापुर में प्रति माह होने वाली बीपीएमयू विकासखंड परियोजना प्रबंधन इकाई की दिसम्बर माह की समीक्षा बैठक विभिन्न अकादमिक बिंदुओं को लेकर बीआरसी श्री योगेश भावसार के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

इस अवसर पर एफ एल एन मिशन अंकुर शाजापुर ब्लॉक प्रभारी श्री संजय शर्मा द्वारा उपस्थित सभी जनशिक्षको से एफ एल एन और निपुण के लक्ष्यों, अवलोकन, ट्रेकर, लर्निंग कीट, रिडिंग कार्नर, भाषा और गणित के कोने से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई। बीएसी श्री देवेंद्र पाठक द्वारा एफ एल एन सहित आगामी अर्द्ध वार्षिक परीक्षा, सहित अकादमिक बिंदुओं पर चर्चा की गई। बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता द्वारा निशुल्क पाठ्यपुस्तकों की आनलाइन पेंडेंसी के निराकरण को समय सीमा में पूर्ण करवाने के संबंध में सभी जनशिक्षको से बोला गया। इसी प्रकार बीएसी श्रीमती हेमलता

जादम द्वारा निशुल्क साइकल वितरण, मध्याह्न भोजन के बारे में चर्चा की गई। प्रभारी बीएसी श्री जगदीश भावसार द्वारा अपार आई डी, डाइस आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। साक्षरता प्रभारी श्री लोकेश राठौर द्वारा साक्षरता से संबंधित सभी से चर्चा की गई। इसके अलावा बीआरसी श्री योगेश भावसार द्वारा अन्य अकादमिक बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए सभी को समय सीमा में कार्य पूर्ण करते हुए अपने केन्द्र अंतर्गत शालाओ में एफ एल एन कक्षाओं का विशेष अवलोकन करते हुए एफ एल एन लक्ष्य को प्राप्त करने के संबंध में सभी को बोला गया। इस अवसर पर जनपद शिक्षा केन्द्र शाजापुर के सभी 12 जनशिक्षा केन्द्र के जनशिक्षक उपस्थित रहें। उक्त जानकारी बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता ने दी।

भाजपा सरकार ने किसानों को 3100 एवं 2700 का धान गेहूं खरीदी का झूठा सपना दिखाया -लखन घनघोरिया

जनता की आवाज बुलंद करने 16 दिसंबर को कांग्रेस का भोपाल में विधानसभा घेराव

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर करने और सरकार को नींद से जगाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रदेश व्यापी विधानसभा घेराव आगामी 16 दिसंबर 2024 को राजधानी भोपाल में पर रखा गया तद संबंध में कांग्रेस के पूर्व मंत्री विधायक लखन घनघोरिया एवं कांग्रेस के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कटनी में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

कटनी पहुंचे लखन घनघोरिया ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश में लगातार चार बार सत्ता में रहने वाली भाजपा सरकार नशे में इतनी मदमस्त हो गई है की आज प्रदेश का हर वर्ग परेशान है। चाहे दलित हो, आदिवासी हो, महिलाएं हो, किसान हो या युवा हो सब भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों से परेशान और हलाकान है और महंगाई की मार से जूझकर पूरा जीवन संकट और संघर्ष से

गुजार रहा है। गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारों को दो जून की रोटी भी नसीब नहीं हो पा रही है बढ़ते अपराधों से प्रदेश में अराजकता का माहौल बना हुआ है जिससे लोग भय और आतंक के साए में जी रहे हैं। माताओं-बहनों की आबरू तार-तार हो रही हैं, फिर भी सरकार नींद में सोई हुई है कानून व्यवस्था ध्वस्त है और भाजपाई मदमस्त हैंद्य, लखन घनघोरिया ने आरोप लगाते हुए कहा शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से वादा किया था कि वह उनकी आज दोगुनी करेंगे और खेती को लाभ का धंधा बनाएंगे ना तो उनकी आय दोगुनी हुई और ना ही खेती लाभ का धंधा बनी, उल्टे किसानों पर कर्ज का बोझ लाद दिया। किसानों को ना खाद दिया ना बिजली और ना ही पानी। विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को झूठे सब्जबाग दिखाएं, अपने संकल्प पत्र में फिर एक बार किसानों को भ्रमित कर धान का 3100 रूपये और गेहूं का 2700 रुपए समर्थन मूल्य देने का वादा करके सरकार बना ली लेकिन किसानों से किये वादों से पूरी तरह मुकर गई। उन्हें न तो धान का 3100 रूपये और न ही गेहूं का 2700 रुपए समर्थन दिया, जिससे किसान हमेशा ठगा ही गया ।ना हुई किसानों की आय दोगुनी ना बना खेती लाभ का धंधा।

मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व पर विकास प्रदर्शनी लोकार्पित

विधायक, जिपं अध्यक्ष और नपाध्यक्ष तथा कलेक्टर ने अवलोकन किया

विदिशा

प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व का आयोजन किया जा रहा है। राज्य सरकार की गत एक वर्ष की उपलब्धियों व विकास कार्यों पर केन्द्रित फोटो प्रदर्शनी नवीन कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में आयोजित की गई है। विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने शनिवार को फीता काटकर प्रदर्शनी लोकार्पित की। प्रदर्शनी का जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा, को-आपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित छाया चित्रों की जानकारियां जनप्रतिनिधियों के साथ सांझा की

हैं। जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं सहित अधिकारियों - कर्मचारियों और आम जनों से प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की गई है। प्रदर्शनी कलेक्ट्रेट परिसर में अगामी तीन दिनों तक लगी रहेंगी।

कन्नौद क्षेत्र के सिया घाट पर लूट की वारदात करने वाले गिरोह का देवास पुलिस अधीक्षक ने किया पर्दाफाश

कन्नौद क्षेत्र के सिया घाट पर लूट की वारदात करने वाले गिरोह का देवास पुलिस अधीक्षक ने किया पर्दाफाश

कन्नौद के सिया घाट पर पिछले दिनों हरदा क्षेत्र के निवासी एक परिवार के साथ की गई थी लूट, का पुलिस ने किया पर्दाफाश किया, पूरी घटना इस प्रकार है,सीएचएल इंदौर से इलाज कराकर लौट रहा था, सिया घाट पर उनकी कार का टायर पंचर हो गया। टायर बदलने के दौरान अज्ञात आरोपियों ने परिवार के साथ मारपीट कर नकदी और आभूषण लूट लिए। उक्त घटना की जानकारी तत्काल कन्नौद पुलिस को दी गई एवं पीड़ित परिवार की रिपोर्ट थाना कन्नौद में पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोद के द्वारा आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये थे। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद केतन अडलक के निर्देशन एवं थाना प्रभारी कन्नौद तहजीब काजी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम के द्वारा भौतिक, तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। मुखबिर की सूचना पर सिया घाट पर कुछ व्यक्ति हथियारों के साथ छिपकर बैठे हैं। और कार चालको की गाडिया पंचर करने के लिये उनके द्वारा घाट के उतार पर रापी लगाई गई है। पुलिस टीम द्वारा मुखबीर के बताये स्थान की घेराबंदी की गई। जंगल में पांच व्यक्ति पाये गये जो घाट के उतार पर रापी लगाकर बैठे थे। और वाहन का टायर पंचर होने पर सवारियों को लूटने के सबंध में बात कर रहे थे ।पुलिस आहट सुनकर उनके द्वारा भागने का प्रयास किया गया परंतु सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उन्होने अपने नाम , बनेसिंह उर्फ बजेसिंह पिता जगन्नाथ ग्राम बापचा थाना सिध्दिगंज जिला सिहोर उत्तम पिता शोभाराम निवासी ग्राम नंदाना थाना नर्मदानगर जिला अण्डवा,. रामेश्वर उर्फ सुक्या पिता धूलिया निवासी ग्राम थुरिया थाना कन्नौद जिला देवास ,,. भजन पिता रामसिंह निवास ग्राम दावत थाना कन्नौद ,, राजेश उर्फ राजू पिता नर्मदाप्रसाद होना बताया, आरोपीयों के कब्जे से वाहनो को पंचर करने हेतु लगाई गई रापी, तलवार छुरा लाठिया और कुल्हाड़ी जप्त की गई। उक्त गैंग के मुखिया, बजेसिंह उर्फ बनेसिंह से पूछताछ करने पर उसने बताया कि, अपने साथी राजेन्द्र, कमलसिंह, मेहरबान, गणेश के साथ मिलकर दिनाक 8. दिसंबर की रात्री में टवेरा वाहन में सवार दो पुरुष तीन महिलाओ के साथ मारपीट कर नगद रूपये और सोना चांदी के आभूषण लुटे थें। जिस पर पुलिस टीम द्वारा आरोपीगण गणेश पिता सजन निहाल, राजेन्द्र पिता फुलसिंह, मेहरबान पिता हरिसिंह निवासीगण नस्वाखेड़ी थाना सिब्दीगंज जिला सिहोर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियो के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थानों में अपराध पंजीबद्ध है। उक्त आरोपियो को माननीय न्यायालय से रिमाण्ड पर लेकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

रतलाम में खेल चेतना मेले को लेकर तैयारी शुरू, 18 खेलों में 10 हजार से अधिक विद्यार्थी होंगे शामिल, 90 से अधिक स्कूलों को मिली एंट्री

रतलाम। क्रीड़ा भारती एवं चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित 25वें खेल चेतना मेले की तैयारियां शुरू हो चुकी है। रजत जयंती वर्ष में होने वाले खेल मेला के पूर्व शहर के सभी मैदानों को तैयार किया जा रहा है। मैदानों जायजा लेने के लिए आयोजन समिति सचिव मुकेश जैन सहित खेल संयोजक शनिवार को मैदान पर पहुंचे। मैदान में अब तक हुई तैयारियों का जायजा लिया। आयोजन समिति एवं खेल संयोजकों के द्वारा शहर के नेहरू स्टेडियम के साथ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज के खेल मैदान पर पहुंचकर यहां आयोजित होने वाली अन्य खेल गतिविधियों के लिए तैयार हो रहे मैदान को देखा। आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

90 से अधिक स्कूलों की एंट्री खेल चेतना मेला को लेकर अब तक 90 से अधिक स्कूलों की एंट्री प्राप्त हो चुकी है। शेष बचे स्कूलों की एंट्री भी आ रही है।आयोजन समिति सचिव मुकेश जैन ने बताया कि रजत जयंती वर्ष में 20 से 23 दिसंबर तक आयोजित होने वाले खेल चेतना मेला को भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा। इसमें 18 खेलों में दस हजार से अधिक स्कूली बच्चों की सहभागिता होगी।

इन मैदानों में होंगे खेल नेहरू स्टेडियम में क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, टेबल टेनिस के मैच होंगे। आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज ग्राउंड में एथलेटिक्स एवं हॉकी, कालिका माता सत्संग हॉल में शरीर सौष्ठव, संत कंवरराम नगर क्रीड़ा केंद्र पर योग, मलखंब एवं स्केटिंग होगी। रेलवे ग्राउंड पर फुटबॉल, डीआरएम ऑफिस रेलवे ऑफिसर क्लब पर तैराकी, सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट पर बास्केटबॉल, वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन होगा। विधि महाविद्यालय में शतरंज और सेठिया ग्राफिक्स स्टेशन रोड पर शूटिंग की स्पर्धा होगी। इस दौरान क्रीड़ा भारती सचिव अनुज शर्मा, खेल संयोजक आरसी तिवारी, अश्विनी शर्मा, सुरेश माथुर, जितेंद्र धुलिया, दुर्गाशंकर मोयल आदि उपस्थित रहे।

लगातार 25 वे वर्ष में विशाल भंडरा का संपन्न 35 हज़ार से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

खेतिया । श्रीदत्त जयंती के अवसर पर श्री दत्त पारायण की समाप्ति के साथ हुए हवन पूजन व पूजा अर्चना के बाद नगर पंचायत परिसर के दीनदयाल उपाध्याय उद्यान में एक विशाल भंडारा आज संपन्न हुआ। श्री दत्त उपासक मंडल खेतिया द्वारा आम जनों के सहयोग से प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता है। यह लगातार 25 व वर्ष है जब यह भंडारा आयोजित हुआ है इस वर्ष आयोजित हुए भंडारे में लगभग 35 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। श्री दत्त जयंती को लेकर तैयारियां पिछले कुछ दिनों से जारी थी ।आज प्रात: श्री दत्त तारेश्वर मंदिर खेतिया पर हुए श्री दत्त पारायण की समाप्ति हवन पूजन के बाद विशाल भंडारा प्रारंभ हुआ जो समाचार लिखे जाने तक जारी था इस विशाल भंडारे में न सिर्फ खेतिया शहर वहां वरन महाराष्ट्र मप्र के अनेक छोटे-बड़े गांव से खेतिया शहर से जुड़े ग्रामीण क्षेत्र से दूर-दूर के गांवों से अनेक श्रद्धालु यहां पर पहुंचे,,बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं में न कोई बड़ा न छोटा सभी एक साथ प्रसादी ग्रहण करते दिखाई दिए,क्षेत्रीय विधायक श्याम बर्डे ने भी इस दौरान आमजनों के साथ सादगी से प्रसादी ग्रहण की।विशाल भंडारा आज खेतिया शहर में एक दिवसीय मेले के रूप में दिखाई दे रहा था जहां बच्चे उद्यान में लगे झूलों पर आनंद ले रहे थे वहीं स्व नियंत्रित व्यवस्थाओं के चलते बड़ी संख्या में महिला पुरुष प्रसादी का लाभ ले रहे थे। दत्त उपासक मंडल द्वारा आयोजित इस विशाल भंडारे में सरस्वती शिशु मंदिर व अन्य संस्थाओं द्वारा व्यवस्थाओं को लेकर अपना सहयोग किया जाता है, जहां अनुमानित 40 हज़ार लोगों की उपस्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यवस्था बनाई गई जिसके चलते खेतिया सेंधवा मार्ग पर स्थित उद्यान के समक्ष कहीं भी यातायात बाधित नहीं हुआ। श्री दत्त उपासक मंडल के सदस्यों के अनुसार परायण की समाप्ति के साथ एक क्विंटल से अधिक सूखे मेवे का प्रसाद वितरित किया गया वहीं संपन्न हुए भंडारे में 11 क्विंटल की नुक्ति, 22 क्विंटल चावल के मसाला चावल व 9 क्विंटल के

मठ बनाएं गए। चारों ओर श्रद्धालुओं का समुदाय ही उमड़ता दिखाई दे रहा था। खेतिया शहर में आयोजित होने वाला श्रीदत्त जयंती का भंडारा बहुत बड़ा होता है जो आम जनों के सहयोग से पूर्ण होता है

महिला शिविर सम्पन्न

सिंगोली - तहसील के ग्राम थडोद पंचायत मे शनिवार दिनांक 14/10/2024 को मध्य प्रदेश शासन आयुष विभाग एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ आशीष वोरना के आदेशानुसार आयुर्वेद औषधालय थडोद द्वारा सर्व रोग निदान चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया । शिविर में क्रक्तशुगर चर्मरोग अग्निमांद्य अध्यमान अर्श वातरोग प्रदर अम्लपित्त उदरशूल श्वास कास प्रतिश्याय कमरदर्द जोड़ो का दर्द आदि सभी प्रकार की विमारियों के 112 मरीजों का परीक्षण कर उपचार किया गया एवं निशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में डॉ.आर.पी.वर्मा श्रीमती संजू भदौरिया एवं श्री गोविन्द दास ने सेवाएं दी। बड़ोद पंचायत के सभी ग्रामीणौ ने प्रशंसा की और इलाज का पूरा लाभ लिया और वरिष्ठ जनों ने पूरी टीम की तहे दिल से तारीफ की गई ।

जनपद हटा ग्राम पंचायत गैसाबाद में सरपंच सचिव की मिली भगत से लाखों का हेर फेर

जिला सीई ओ अर्पित वर्मा के जांच आदेश के बाद भी किया गया बिलों का फर्जी भुगतान

` दमोह- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्यमंत्री के कार्यकाल का एक साल पूर्ण हो गया है, लेकिन इस एक साल में दमोह जिले की हटा जनपद पंचायत में भ्रष्टाचार के नए-नए कारनामें सामने आ रहे हैं , ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत गैसाबाद से सामने आ रहा है, जहां पर उपयंत्री, सचिव व महिला सरपंच ने जिस कंसट्रक्शन कंपनी से काम कराया, उसे भुगतान न करते हुए दूसरी कंसट्रक्शन कंपनी के बिल लगाकर भुगतान करा लिया। शिकवा शिकायतें होने पर अब महिला सरपंच दलित कार्ड खेलते हुए जांच को प्रभावित करने का जतन कर रही है। ग्राम पंचायत गैसाबाद में भवानी कंसट्रक्शन द्वारा तीन निर्माण कार्य कराए गए, जिनके द्वारा 25 लाख 84 हजार रूपए के बिल सबमिट किए गए। इन बिलों को ग्राम पंचायत के सचिव धुन सिंह राजपूत ने महिला सरपंच की मिली भगत से मनरेगा साइड से डिलीट कर दिए। इसके बाद कूट रचना रचते हुए पटेरा की अंशिका ट्रेडर्स जो गौरव विश्वकर्मा द्वारा संचालित की जाती है, उसके बिल सबमिट किए गए। इसकी शिकायत भुवानी कंसट्रक्शन के भरत पटेल द्वारा जिला पंचायत सीईओ से लेकर कलेक्टर तक की गई। जिला पंचायत सीईओ द्वारा मामला सही पाते हुए जांच के लिए निर्देशित किया। साथ ही उपयंत्री राकेश खरे, सरपंच ललिता अहिरवार व सचिव धन सिंह राजपूत के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इस नोटिस के जारी होने के बावजूद भी हटा जनपद सीईओ भूर सिंह रावत ने 25 लाख 84 हजार रूपए का भुगतान भी कर दिया।

अब वसूली के अंदेशे से अर्नगल आरोप जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा द्वारा जो नोटिस जारी कर जांच बिठाई गई है, उससे मामला साफ है कि उपयंत्री, सचिव व सरपंच से वसूली की जाकर इनके विरुद्ध कार्यवाही होना भी तय है, जिस पर महिला सरपंच अपना दलित होने का फायदा उठाते हुए शिकायतकर्ताओं पर झूठे आरोप लगाकर अपने द्वारा किए गए व्यापक भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का प्रयास कर रही है। इस पूरे मामले सामने आ रहा है कि उपयंत्री, सरपंच व सचिव ने तीनों ने पूरी राशि का आपसी बंदरबांट किया है और पटेरा की कंपनी को महज राशि निकालने के लिए तय निश्चित राशि दी गई है।

जनपद सीईओ ने भी लिया हिस्सा

इस पूरे मामले में जनपद सीईओ भूर सिंह रावत की भूमिका भी संदिग्ध प्रतीत हो रही है, उन्होंने मोबाइल पर बातचीत में यह कहा है कि उन्हें जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा द्वारा जारी किए गए नोटिस की जानकारी नहीं थी, जिससे उन्होंने पूरा भुगतान करा दिया। वहीं सूत्र बताते हैं जनपद पंचायत हटा में होने वाले भुगतानों में सीईओ रावत का एक बड़ा हिस्सा होता है, जिससे वह नियम कायदों से भी परे जाकर भुगतान कर रहे हैं, इस तरह हटा जनपद में उनके द्वारा करोड़ों का भुगतान किया गया है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में हजारों लोगों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण दवा वितरण

विधायक जयंत मलैया के सौजन्य से रविवार को भी होगा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

दमोह - सर्वे भवन्तु सुखिन सर्वे संतु निरामायाः की भावना से जयंत मलैया विधायक दमोह के सौजन्य से एवं पीपुल्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहित पंडित के नेतृत्व में दो दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन दमोह के ओजस्वीनी स्कूल पर एक्सीलेन्स, मलैया मिल परिसर मे किया गया था।

विधायक जयंत मलैया ने कहा कि निशुल्क चिकित्सा सिविल की प्रथम दिवस आज हजारों की संख्या में लोगों का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा इलाज किया गया है और उन्हें निशुल्क दवा वितरण भी किया गया है और शिविर के दूसरे दिन भी इसी तरह लोगों का निशुल्क इलाज किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर भोपाल भेजा जाएगा

शिविर मे भोपाल से आये लगभग 50 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निशुल्क परामर्श एवं लगभग 180 पेरामेडिकल स्टाफ द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। शिविर के प्रथम दिन लगभग 5870 लोगो का ओ पी डी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । जिसमे लगभग 1016 ईसीजी, 424 सोनोग्राफी, 1483 आर.बी.एस 720 डिजिटल एक्स रे, 4269 खून की जांच एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया । शिविर मे लगभग 211 गंभीर मरीजों को चिन्हित किया है। जिन्हे आगे के इलाज हेतु भोपाल निशुल्क भेजा जाएगा एवं इलाज उपरांत निशुल्क् वापस दमोह लाया भी जायेगा।

शिविर मे मुख्य रूप से कलेक्टर दमोह सुधीर कुमार, सीएसपी अभिषेक तिवारी, पीपुल्स हॉस्पिटल के कार्यकारी निदेशक गुंजन जैन, कार्यकारी सहायक कार्तिकेय सिंह, रमन खत्री, कपिल सोनी, राघवेन्द्र सिंह परिहार, मनीष तिवारी, संतोष रोहित, देवेन्द्र सिंह, नीलेश सिंघाई, मोंटी रैकवार, रीतेश सोनी, विशाल शिवहरे, विवेक अग्रवाल, धर्मेंद्र अहिरवार, मयंक वाधवा, हरि रजक, गोलू साहू, गीतेश अठ्या डॉ आर के दुबे, डॉ सिद्धार्थ सागर, डॉ संजीव महावर, डॉ तरुण प्रताप सिंह, डॉ अनुराग गौर, डॉ मो. इमरान खान, डॉ आशुतोष अग्रवाल,डॉ प्रज्ञा जैन, डॉ अर्चना

हरितवाल जैसे वरिष्ठ चिकित्सक मुख्य रूप से मौजूद थे।

शिविर मे निशुल्क दवा वितरण और जलपान वितरण भी किया गया, कल भी आमजन इस शिविर का लाभ ले सकते है।

मंदसौर पुलिस थाना गरोठ पुलिस टीम द्वारा 5000 रुपये के फरारी ईनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

मंदसौर-पुलिस अधीक्षक मदंसौर अभिषेक आनंद के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ श्रीमति हेमलता कुरील एंव एसडीओपी राजाराम धाकड़ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज महाजन के कुशल नेतृत्व में थाना गरोठ के अपराध क्रमांक 169/2024 धारा 8/18,29 एनडीपीएस एक्ट में 5000 रुपये का फरारी ईनामी वारन्टी राजु पिता बाबु खा पठान उम्र 52 साल निवासी बिल्लोद थाना नाहरगढ जिला मंदसौर को उपनिरीक्षक बापुसिंह बामनिया की टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार आरोपी का नाम राजु पिता बाबु बाबु खा पठान उम्र 52 साल निवासी बिल्लोद थाना नाहरगढ जिला मंदसौर सराहनीय कार्य - उनि मनोज महाजन , उनि बापुसिंह बामनिया , सउनि बलवानसिंह देवड़ा , आर 244 बाबुलाल अहीर का सराहनीय योगदान रहा ।

सांकेतिक भाषा,ब्रेल लिपि का प्रशिक्षण हुआ

पिपलोदा -जिला शिक्षा एवं शिक्षा संस्थान में जिला परियोजना समन्वयक धर्मेंद्र सिंह हाडा के निर्देशन में सांकेतिक भाषा एवं ब्रेल लिपी प्रशिक्षण संपन्न हुआ । जिले कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालय में जहां पर दिव्यांग छात्र , अध्यनरत हैं उन शालाओं से एक-एक शिक्षक को ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा का पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर महेश शर्मा, ढोकर सिंह सोलंकी, मदन धामनिया, हरि ओम मवी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के कार्यक्रम समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डाइट प्राचार्य डॉ नरेंद्र कुमार गुप्ता थे। अध्यक्षता जिला समन्वयक (समावेशी शिक्षा) अंबाराम बोस द्वारा की गई। विशेष अतिथि के रूप में रिटायर्ड प्रवचक् अविनाश तारे थे, सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत विमल सैनी, कमल परिहार श्री सिसोदिया राधेश्याम मालवीय प्रभुलाल आसावरा द्वारा किया गया।, प्रशिक्षण में आए सभी शिक्षकों को नगर में स्थित दिव्यांग छात्रावास का अवलोकन करवाया गया दिव्यांग छात्रावास की व्यवस्था से अवगत हुए तथा छात्रों की सुविधा हेतु सभी प्रशिक्षक के सहयोग से 11000 की राशि भेंट की गई।समापन पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संचालन मदन धमनिया द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन हरीश शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

ईरान में हिजाब नहीं पहनने पर 27 साल की गायिका गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क। ईरान में गायिका परस्तू अहमदी को हिजाब पहने बिना ऑनलाइन कार्यक्रम करने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना ईरान के उत्तरी प्रांत मजंदरान की राजधानी सारी शहर की है जहां शनिवार को उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह जानकारी ईरानी वकील मिलाद पनाहीपोर ने दी।

गायिका पर कार्रवाई की तैयारी

मिलाद पनाहीपोर के अनुसार 27 साल की गायिका परस्तू अहमदी ने बिना हिजाब पहने यूट्यूब पर एक ऑनलाइन कॉन्सर्ट किया था। इसके बाद ईरानी कोर्ट ने उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी और कहा था कि गायिका के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने इसे कानूनी और धार्मिक मानकों का उल्लंघन बताया है।

परस्तू अहमदी ने बीते बुधवार रात अपने यूट्यूब चैनल पर कॉन्सर्ट किया था।

इस कार्यक्रम में उन्होंने बिना आस्तीन और कॉलर वाली काली लंबी ड्रेस पहनी थी लेकिन सिर पर हिजाब नहीं पहना था। इसके बाद गुरुवार को कोर्ट ने उनके इस कॉन्सर्ट के संबंध में मामला दर्ज किया। कॉन्सर्ट में उनके साथ चार पुरुष संगीतकार भी थे।

कॉन्सर्ट के पहले परस्तू ने एक संदेश दिया था जिसमें उन्होंने कहा, मैं परस्तू हूं, वह लड़की जो चुप नहीं रह सकती और जो अपने देश के लिए गाना बंद करने से इनकार करती है। उन्होंने आगे कहा, इस काल्पनिक कॉन्सर्ट में मेरी आवाज़ सुनें और एक स्वतंत्र और सुंदर राष्ट्र का सपना देखें।

ईरान में हिजाब के सख्त कानून

ईरान में हिजाब को लेकर सख्त नियम हैं जो 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद लागू किए गए थे। इसके तहत ईरानी महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर अपने बाल ढकने होते हैं। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को गाने की अनुमति भी नहीं है। हाल ही में ईरान में हिजाब को लेकर नए कानून लागू किए गए हैं जिनके मुताबिक अगर महिलाएं हिजाब के नियमों का उल्लंघन करती हैं तो उन्हें जुर्माना, कोड़े की सजा, कठोर जेल की सजा या यहां तक कि मौत की सजा भी दी जा सकती है।

अधिकारियों ने की कार्रवाई

ईरानी न्यायपालिका की मिजान ऑनलाइन समाचार वेबसाइट ने बताया कि न्यायपालिका ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और उचित कार्रवाई की है। गायिका और उनके प्रोडक्शन स्टाफ के खिलाफ कानूनी मामला दर्ज किया गया है जिसके बाद गायिका को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अपराधी को 100 साल की सजा, पैरोल के लिए 2120 में होगा योग्य

इंटरनेशनल डेस्क। किसी अपराधी को आपने कितने साल की सजा मिलते हुए देखा है 10 साल, 20 साल या फिर उम्रभर की सजा? लेकिन अमेरिका में एक कोर्ट ने एक अपराधी को 100 साल की सजा सुनाई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर वह अपराधी 100 साल तक सजा काटता है तो वह साल 2120 में पैरोल के लिए योग्य हो सकता है।

क्या था मामला?

यह घटना लास वेगास की है जहां एक जज ने 32 साल के क्रिस्टोफर मैकडॉनेल को 2020 में थैंक्सगिविंग के दौरान दो राज्यों में गोलीबारी करने के अपराध में 100 साल की सजा सुनाई। इस गोलीबारी में नेवादा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

क्रिस्टोफर मैकडॉनेल पर हत्या, हत्या का प्रयास, हत्या की साजिश, अवैध रूप से बंदूक रखने और हथियार से संबंधित 20 से अधिक आरोप थे। कोर्ट ने उसे 100 साल की सजा सुनाई और कहा कि अगर वह 100 साल तक जीवित रहता है तो उसे 2120 में पैरोल के लिए विचार किया जाएगा।

11 घंटे तक चली थी गोलीबारी

26 नवंबर 2020 को क्रिस्टोफर मैकडॉनेल उसके भाई शॉन मैकडॉनेल और शॉन की पत्नी कायले लुईस ने लास वेगास में 11 घंटे तक अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में लास वेगास के पास हेंडरसन में एक स्टोर में 22 साल के केविन मेंडिओला जूनियर की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।

कैसे पकड़े गए अपराधी?

गोलीबारी के बाद इन तीनों ने लगातार गोलीबारी की और एक कार पलटने के बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक ड्राइवर कायले लुईस थी जबकि दोनों भाई गाड़ी की खिड़की से अंधाधुंध फायरिंग कर रहे थे।

एरिजोना पुलिस ने किया था पीछा

एरिजोना के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने टेक्सास लाइसेंस प्लेट वाली गाड़ी का पीछा किया। कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सैनिकों ने असॉल्ट-स्टाइल राइफलों से हमला किया और शॉन मैकडॉनेल को घायल कर दिया। इसके बाद गोलीबारी रुक गई और तीनों अपराधी गिरफ्तार हो गए।

इस मामले में शॉन मैकडॉनेल और कायले लुईस का ट्रायल अभी बाकी है।

चीन-पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के खिलाफ खिचड़ी पका रहा बांग्लादेश

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार हिंदुओं पर हमलों के चलते बने तनाव के बीच चीन-पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के खिलाफ खिचड़ी पकाने में लगी हुई है। बांग्लादेश अपनी वायुसेना को आधुनिक और ताकतवर बनाने की कोशिश में जुटा हुआ है। इसके लिए उसकी नजर चीन की ओर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश चीन से चेंगदू छ्-10ष्ट मल्टीरोल फाइटर जेट खरीदने की योजना बना रहा है। बांग्लादेश एयरफोर्स के चीफ एयर मार्शल हसन महमूद खान ने हाल ही में कहा कि, हम फाइटर जेट और अटैक हेलिकॉप्टर्स हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश अपनी वायुसेना को मजबूत करने के लिए पहले चरण में 16 छ्-10ष्ट लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रहा है। छ्-10ष्ट एक अत्याधुनिक फाइटर जेट है, जो मल्टीरोल ऑपरेशन में सक्षम है। यह वही फाइटर जेट है जिसे पाकिस्तान ने भी अपनी वायुसेना में शामिल किया था।

हालांकि, यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है, जब बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियां तेज हो रही हैं। साथ ही अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं, पर बढ़ते अत्याचार और मंदिरों पर हमलों ने भारत के लिए चिंताएं बढ़ा दी हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार से यह उम्मीद थी कि बांग्लादेश में हालात सुधरेंगे। लेकिन इसके उलट, अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर अत्याचार और हिंसा में बढ़ोतरी हुई। मंदिरों को निशाना बनाया गया, जिसके बाद भारत ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। रक्षा विशेषज्ञ पी.के. सहगल का मानना है कि बांग्लादेश की चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती हैं।

उन्होंने कहा, चीन और पाकिस्तान की कोशिश है कि नॉर्थ-ईस्ट भारत में फिर से अशांति फैलाई जाए। बांग्लादेश में हालात नाजुक हैं और हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा इसके पीछे साजिश का हिस्सा हो सकती है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि चीन का डिफेंस सामान खराब गुणवत्ता का होता है। बांग्लादेश को समझना होगा कि **भारत उसकी अर्थव्यवस्था के लिए अहम भूमिका निभाता है। भारत से ही बांग्लादेश को ऊर्जा, गैस और तेल की आपूर्ति होती है। अगर भारत इन आपूर्तियों में कटौती करता है, तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। बांग्लादेश का चीन से छ्-10ष्ट लड़ाकू विमान खरीदने का फैसला और भारत विरोधी गतिविधियों का बढ़ना सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन और पाकिस्तान की साजिशों से सतर्क रहना जरूरी है।

यूक्रेन में मौत बरसा रही किम जोंग की सेना !

2 घंटे में प्लियोखोवो गांव पर किया कब्जा, मार डाले 300 यूक्रेनी सैनिक

इंटरनेशनल डेस्क: रूस- यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के समर्थन में खतरनाक तरीके से सक्रिय हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तर कोरियाई सैनिकों ने कुर्स्क क्षेत्र के प्लियोखोवो गांव पर केवल 2 घंटे में कब्जा करते हुए 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया। इस दौरान किसी भी सैनिक को बंदी नहीं बनाया गया। उत्तर कोरियाई सैनिकों ने 6 दिसंबर को कुर्स्क के प्लियोखोवो गांव में जोरदार हमला किया। रूसी टेलीग्राम चैनल रोमानोलाइट के अनुसार, इस हमले में केवल 2 घंटों के भीतर 300 यूक्रेनी सैनिक मारे गए, और गांव पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों ने बिना किसी रहम के यह हमला किया। पूर्व यूक्रेनी विधायक और रूस समर्थक नेता ओलेग त्सायोर्व ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि, यह हमला हुआ है, लेकिन मैं इस पर ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हालांकि, यूक्रेनी सरकार की ओर से इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं आई है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका की रिपोर्ट्स के मुताबिक, किम जोंग उन ने रूस के समर्थन में हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक भेजे हैं। उत्तर कोरियाई सैनिकों की रूस में उपस्थिति और उनकी लड़ाई के तरीकों ने रूस-उत्तर कोरिया के रिश्तों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इस साल जून में पुतिन और किम जोंग उन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ था जिसका रूस को फायदा मिल रहा हैष रूस को अतिरिक्त सैनिक मिल रहे हैं, जो युद्ध में मददगार साबित हो रहे हैं। इसके बदले में उत्तर कोरिया को रूस की उन्नत हथियार तकनीक मिल रही है। उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती और उनकी भूमिका ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच संबंधों को और मजबूत कर दिया है।

बांग्लादेश आयोग का दावा-लोगों को गायब करने के पीछे शेख हसीना का हाथ

मेजर व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा गठित जांच आयोग ने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा है कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संलिप्तता का पता चला है। लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3,500 से अधिक है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के मुख्य सलाहकार (ष्ट) के कार्यालय की प्रेस शाखा ने शनिवार रात एक बयान में कहा, ''आयोग को इस बात के सबूत मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया। इसमें कहा गया है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र के पूर्व महानिदेशक और बर्खास्त मेजर जनरल जियाउल अहसन , वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोनिरुल इस्लाम एवं मोहम्मद हारुन-ओर-रशीद और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इन घटनाओं में शामिल पाए गए।

सेना और पुलिस के ये सभी पूर्व अधिकारी फरार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वे छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद पांच अगस्त को हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद देश से बाहर चले गए थे। लोगों को गायब किए जाने की घटनाओं की जांच करने वाले पांच सदस्यीय आयोग ने शनिवार देर रात मुख्य सलाहकार को उनके आधिकारिक आवास यमुना पर ''सत्य का खुलासा शीर्षक से अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी जिसके बाद यह बयान जारी किया गया। बयान के अनुसार, आयोग के अध्यक्ष एवं उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मैनुल इस्लाम चौधरी ने यूनुस को बताया कि जांच के दौरान उन्हें एक ''व्यवस्थित तरीके की जानकारी मिली जिसके कारण इन घटनाओं का पता नहीं चल सका। चौधरी ने कहा, ''लोगों को गायब करने या न्यायेतर हत्या करने वाले व्यक्तियों को भी पीड़ितों की जानकारी नहीं होती थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस की विशिष्ट अपराध-विरोधी 'रैपिड एक्शन बटालियन% (आरएबी) और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसी ने लोगों को जबरन ले जाने, उन्हें प्रताड़ित करने और हिरासत में रखने की घटनाओं को अंजाम देने के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। आरएबी में सेना, नौसेना, वायु सेना और पुलिस के लोग शामिल होते हैं। आयोग ने आतंकवाद रोधी अधिनियम, 2009 को खत्म करने या उसमें व्यापक संशोधन करने के साथ-साथ आरएबी को खत्म करने का प्रस्ताव भी रखा। मानवाधिकार कार्यकर्ता और आयोग के सदस्य सज्जाद हुसैन ने कहा कि उन्होंने इस तरह की घटनाओं के कारण लोगों के लापता होने की 1,676 शिकायतें दर्ज की हैं और अब तक उनमें से 758 मामलों की जांच की है। इनमें से 200 लोग या 27 प्रतिशत पीड़ित कभी वापस नहीं लौटे और जो वापस लौटे, उनमें से अधिकतर को रिकॉर्ड में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के तौर पर दिखाया गया है।

आयोग में अध्यक्ष के अलावा न्यायमूर्ति फरीद अहमद शिबली, मानवाधिकार कार्यकर्ता नूर खान, निजी बीआरएसी विश्वविद्यालय की शिक्षिका नबीला इदरीस और मानवाधिकार कार्यकर्ता सज्जाद हुसैन भी आयोग में शामिल हैं। इससे पहले, आयोग ने एक संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि उसे ढाका और उसके बाहरी इलाकों में आठ गुप्त हिरासत केंद्र मिले हैं।

आयोग के अध्यक्ष ने शनिवार को यूनुस को बताया कि वह मार्च में एक और अंतरिम रिपोर्ट पेश करेंगे तथा सभी आरोपों की जांच पूरी करने के लिए उन्हें कम से कम एक और वर्ष की आवश्यकता होगी। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर उन पीड़ितों के साक्षात्कार प्रसारित किए गए जिन्हें कथित रूप से गायब किया गया था। इन पीड़ितों में हसीना के शासन का सक्रिय रूप से विरोध करने वाले विपक्ष के कार्यकर्ता और पूर्व सैन्य अधिकारी शामिल हैं।

106 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन टनल में घुसते ही हो गई गायब !

इंटरनेशनल डेस्क: दुनिया में अक्सर रहस्यमयी घटनाएं अचंभित करती रहती हैं। समुद्र में जहाजों का गायब होना या आसमान में विमानों का लापता होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन एक ऐसी घटना भी है जो ट्रेन से जुड़ी हुई है और आज भी लोगों को हैरान कर देती है। साल 1911 में इटली की राजधानी रोम से एक नई ट्रेन ट्रायल रन पर निकली थी। इस ट्रेन में 106 लोग सवार थे, लेकिन यह ट्रेन एक सुरंग में घुसते ही गायब हो गई। 113 साल बाद भी इस रहस्यमयी घटना का कोई सुराग नहीं मिला है। 1911 में रोम के एक स्टेशन से ज़ेनेटी कंपनी द्वारा निर्मित नई ट्रेन ट्रायल के लिए निकली थी।

यह ट्रेन अत्याधुनिक थी और इसके लिए लोगों को मुफ्त यात्रा का निमंत्रण दिया गया था। ट्रेन में कंपनी के कर्मचारियों समेत 106 लोग सवार हुए। कुछ ही समय में ट्रेन ने अपनी गति पकड़ ली और एक सुरंग में दाखिल हो गई। लेकिन सुरंग में घुसने के बाद ट्रेन बाहर नहीं निकली। अगले स्टेशन पर लोग ट्रेन का इंतजार करते रहे, लेकिन वह वहां तक नहीं पहुंची। इस घटना के बाद ट्रेन से गिरकर बचे दो यात्रियों ने जो बयान दिया, वह भी रहस्यमयी था। उन्होंने बताया कि ट्रेन जैसे ही सुरंग के पास पहुंची, उसमें से सफेद धुआं निकलने लगा। दोनों यात्री डर के मारे ट्रेन से कूद गए। उनके मुताबिक, ट्रेन सुरंग में घुसी और फिर कभी बाहर नहीं आई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569